RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 35 ता. 31 जुलाई 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

कांवड़ यात्रा पर बोले योगी......कांवड़ियों में आत्म-अनुशासन की आवश्यकता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्रा के लिए केंद्र के साथ समन्वय में व्यापक व्यवस्था कर सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए कांवड़ियों में आत्म-अनुशासन की आवश्यकता पर बल दिया। सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे न केवल 'यात्रा' का आनंद लें, बल्कि आत्म-अनुशासन का अभ्यास करके और आस्था बनाए रखकर कावड़ यात्रा को सफल बनाने में भी योगदान दें। सीएम हाऊस द्वारा जारी बयान में भी उद्धृत किया गया आत्म-अनुशासन के बिना कोई भी त्यौहार, उत्सव या 'साधना' पूरी नहीं होती। एक सुचारू और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, हमें न केवल आंतरिक रूप से बल्कि बाहरी रूप से भी समर्पित होना चाहिए। हालांकि सीएम ने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा, लेकिन 22 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से कांवड़ियों से जुड़ी हिंसा की कुछ छिटपुट घटनाएं हुई हैं। यह यात्रा 6 अगस्त को समाप्त होगी। उन्होंने कहा, किसी भी समस्या, अराजकता या आस्था के साथ खिलवाड़ को रोकने के लिए गश्त बढ़ाने, सफाई के उपाय और स्वास्थ्य शिविर लगाने जैसे उपाय किए गए हैं। सीएम ने कहा, जरूरत पड़ने पर ड्रोन और हेलीकॉप्टर से निगरानी और पुष्प वर्षा की भी व्यवस्था की गई है।

दिल्ली कोचिंग हादसे से सबक लेकर बिहार में जांच शुरू, छह सदस्यीय टीम गठित

पटना। दिल्ली के राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन यूपीएससी छात्रों की मौत के बाद अब बिहार में भी इसका असर दिखने लगा है। बिहार की राजधानी पटना में चलने वाले कोचिंग सेंटरों की जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने पटना के सभी कोचिंग सेंटरों की जांच के निर्देश दिए हैं और उन्होंने जिले में अनुमंडलवार छह सदस्यों की टीम का गठन भी किया है। इस टीम में अग्निशमन पदाधिकारी, नगर कार्यपालक पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी और संबंधित थाना के अध्यक्ष शामिल होंगे। जिलाधिकारी ने अपने आदेश में कहा है कि 15 दिनों के अंदर जांच टीम को हर अनुमंडल में चल रहे कोचिंग संस्थानों को लेकर कई पहलुओं पर विस्तृत रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपना है। जिन पहलुओं पर जांच टीम को रिपोर्ट सौंपनी है, उसमें कोचिंग सेंटरों के सुरक्षा मानकों के अनुपालन की स्थिति, बिल्डिंग बाय लॉस का अनुपालन, फायर एग्जिट की व्यवस्था, कोचिंग सेंटरों में आने और जाने की पर्याप्त व्यवस्था और आकस्मिक स्थिति से निपटने की व्यवस्था शामिल है।

ईवीएम-वीवीपैट पर्चियों को लेकर दायर पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट पर्चियों के ईवीएम मशीन से 100 फीसदी मिलान कराने की मांग वाली पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपंकर दत्ता की युगल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि याचिका में दिए गए आधार पर विचार करने के बाद हमारा मानना है कि 26 अप्रैल के फैसले पर पुनर्विचार का कोई मामला नहीं बनता है। इस साल 26 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट और ईवीएम मशीन की पर्चियों का 100 फीसदी मिलान करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था। इसके साथ ही याचिका में चुनाव को बैलट पेपर से कराए जाने की मांग की गई थी, जिसको सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। पुनर्विचार याचिका अरुण कुमार अग्रवाल द्वारा दायर की गई थी, जिन्होंने पहले भी इस मुद्दे पर जनहित याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने अपनी पुनर्विचार याचिका में तर्क दिया था कि 26 अप्रैल के फैसले में गलतियां थीं जिसके बाद समीक्षा याचिका में कहा गया कि मतगणना हॉल की मौजूदा सीसीटीवी निगरानी तय करेगी कि वीवीपैट पर्चियों की गिनती में गड़बड़ी न हो।

वायनाड लैंडस्लाइड मामले को लेकर विपक्ष ने किया संसद में हंगामा

-खड़गे ने की चर्चा की मांग तो सभापति ने मर्यादित आचरण की दिलाई याद

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के सातवें दिन विपक्ष ने वायनाड लैंडस्लाइड मामले को लेकर जमकर हंगामा किया है। लोकसभा कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के सांसदों ने वायनाड में हुए लैंडस्लाइड, रेल दुर्घटना और चीन के साथ सीमा पर बिगड़ते हालात को लेकर चर्चा की मांग की और सुनवाई होते नहीं देख हंगामा किया। विपक्ष के हंगामे के बाजवूद सदन की कार्यवाही जारी रही। संसद के चालू मॉनसून सत्र के सातवें दिन मंगलवार को विपक्षी सदस्यों ने केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया। स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष सांसदों से कहा कि मैंने पहले ही आग्रह कर दिया है कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण होता है। प्रश्नकाल के बाद शून्यकाल में अनुमति देंगे। वहीं विपक्ष के सांसदों ने वायनाड लैंडस्लाइड, रेल दुर्घटना, चीन के साथ सीमा पर बिगड़ते हालात वाले मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामा किया। हंगामें की बीच ही अध्यक्ष ने कहा कि संपूर्ण घटना को लेकर मंत्रीजी ने जानकारी मुझे दे दी है। यह विषय उनके ध्यान में है। विपक्ष के हंगामें के बीच ही सदन की कार्रवाई चलती रही।

वायनाड भूस्खलन में तीन बच्चों समेत 40 की मौत: सेना की मांगी मदद

-कई लोग फंसे, बचाव कार्य जारी, हेलीकॉप्टर की ली जा रही मदद

वायनाड। (एजेंसी)

केरल के वायनाड जिले में मेप्पाडी के पासपहाड़ी इलाकों में मंगलवार सुबह भूस्खलन हो गया है जिसमें तीन बच्चों समेत कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई है, जबकि सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक लैंडस्लाइड मंगलवार की रात दो बजे और इसके बाद सुबह करीब 4.10 मिनट पर हुआ। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में जिले के चूरलमाला कस्बे में एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि थोंडरनाड गांव में एक नेपाली परिवार के एक साल बच्चा भी इसका शिकार हुआ है। इसके अलावा पोथुकल गांव के पास एक नदी के किनारे से पांच साल के बच्चे समेत तीन शव बरामद हुए हैं। छह शवों को मेप्पाडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पांच शवों को एक निजी मेडिकल कॉलेज में लाया गया। अधिकारियों ने बताया है कि भूस्खलन ने मुंदक्कई, चूरल माला, अट्टामाला और नूलपुझा समेत कई इलाकों प्रभावित हुए हैं और इनका संपर्क टूट गया है।

एक वीडियो संदेश में, यूडीएफ विधायक टी सिद्दीकी ने कहा कि जिला अधिकारी मुंदक्कई क्षेत्र से लोगों को हवाई मार्ग से निकालने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल, भूस्खलन में लापता और मृत लोगों के बारे में हमारे पास पूरी जानकारी नहीं है। कई इलाके से संपर्क से टूट गया है। एनडीआरएफ के जवान उन जगहों पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

जिला अधिकारियों के मुताबिक कई परिवारों को शिविरों या उनके रिश्तेदारों के घरों में ले जाया गया है। वायनाड जिला कलेक्टर ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में आपदा राहत किए जा रहे हैं, एनडीआरएफ, अग्निशमन बल, पुलिस और वन, राजस्व और स्थानीय स्वशासन सहित कई सरकारी विभागों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय निवासी भी बचाव कार्यों में जटे हैं। कलेक्टर ने यह भी कहा कि करमनथोडु नदी पर बाणासुर सागर बांध के शटर खोल दिए गए हैं और नदी के निचले इलाकों और में रहने वालों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है।

विनाशकारी भूस्खलन के चलते केरल सरकार ने बचाव कार्यों के लिए भारतीय सेना की मदद मांगी है। एक रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि 122 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) मद्रास के सेकेंड-इन-कमांड के नेतृत्व में 43 कर्मियों की एक टीम को बचाव कार्यों में मदद के लिए लगाया गया है। एक चिकित्सा अधिकारी, दो जूनियर कमीशन अधिकारी और 40 सैनिकों वाली यह टीम प्रभावित क्षेत्र में पहुंच रही है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद सभी सरकारी एजेंसियां खोज और बचाव कार्यों में जुट गई हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि अभियान का समन्वय किया जाएगा और राज्य के मंत्री बचाव गतिविधियों का नेतृत्व करने के लिए पहाड़ी जिले में जाएंगे।

एक और ट्रेन हादसा

झारखंड में ट्रैक पर डिब्बों से टकराई यात्री ट्रेन, दो की मौत, 150 घायल

नई दिल्ली। (एजेंसी)

देश में एक के बाद एक हो रहे रेल हादसे ने सभी को हैरानी में डाल दिया है। इसी बीच अब मंगलवार को झारखंड के चक्रधरपुर में ट्रेन हादसा हुआ है। हावड़ा से मुंबई जा रही 12810 हावड़ा-सीएसएमटी मेल के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। इस ट्रेन हादसे में दो लोगों की मौत की जानकारी मिली है जबकि 150 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस हादसे के बाद रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है और कई के रुट बदल दिए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक यह हादसा हावड़ा-मुंबई रेलवे लाइन पर चक्रधरपुर के पास हुई। बताया जा रहा है कि यहीं पर दो दिन पहले एक मालगाड़ी डिरेल हुई थी, जिसके वैगन ट्रैक पर ही पड़े थे। वहीं, हावड़ा-मुंबई मेल दूसरे ट्रैक से आ रही थी और पहले से ट्रैक पर पड़े डिब्बों से टकरा गई।

रेलवे की ओर से हावड़ा-मुम्बई रेलवे लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। टाटानगर व चक्रधरपुर स्टेशन से रिलीफ ट्रेन और घटना की जांच के लिए इंजीनियरिंग विभाग की टीम को रवाना कर दिया गया है। मौके पर राहत और बचाव का कार्य जारी है। घायल यात्रियों को रांची के रिम्स हॉस्पिटल और चक्रधरपुर के आसपास के अस्पतालों में भर्मी कराया गया है।

ये ट्रेनें हुई रद्द

- 22861 हावडा-कांटाबाजी एक्सप्रेस
- 08015/18019 खड़कपुर धनबाद एक्सप्रेस
- 12021/12022 हावड़ा बारबिल एक्सप्रेस
- इन ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया
- 18114 बिलासपुर टाटा एक्सप्रेस को राउरकेला में शॉर्ट टर्मिनेट किया
- 18190 एर्नाकुलम टाटा एक्सप्रेस को चक्रधरपुर में शॉर्ट टर्मिनेट किया
- 18011 हावड़ा चक्रधरपुर एक्सप्रेस को आगरा में शॉर्ट टर्मिनेट किया

उत्तरकाशी में फटे बादल, दर्जनों नहरें बहने से कई खेत बर्बाद, घरों में घुसा पानी

देहरादून(एजेंसी)।

उत्तरकाशी में बादल फटने से नाकुरी गाड़ के बरसाली क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। सिंगोट में लोगों के खेत बर्बाद हो गए। घरों में पानी भर गया है। सुरक्षा दीवार बह जाने से गांव के लिए खतरा पैदा हो गया है। सोमवार रात को भारी बारिश और बादल फटने की घटना से नाकुरी गाड़ में बाढ़ आने से ग्रामसभा सिंगोट, ग्रामसभा मांगली सेरा, ग्रामसभा बरसाली के नाकुरी में काश्तकारों को भारी नुकसान हुआ है। लोगों के शौचालय, छानिया और घर क्षतिग्रस्त हो गए। दर्जनों नहरें बाढ़ में बह जाने से सिंचाई की समस्या उत्पन्न हो गई है।

मौसम विभाग की ओर से देहरादून, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिले में भारी से भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है अन्य जिलों में भी तेज गजर के साथ तेज बारिश होने की संभावना है।

राज्य में 131 मार्ग बंद हैं। इसमें सबसे ज्यादा पिथौरागढ़ और चमोली जिला प्रभावित हैं। पिथौरागढ़ जिले में दो बार्डर रोड और 21 ग्रामीण मार्ग बंद हैं। चमोली में 23 ग्रामीण मार्ग प्रभावित हैं। बागेश्वर में एक जिला मार्ग, दो मुख्य जिला मार्ग और 13 ग्रामीण मार्ग, उत्तरकाशी में एक राज्य मार्ग, एक मुख्य जिला मार्ग और सात ग्रामीण मोटर मार्ग और देहरादून में दो राज्य मार्ग, एक अन्य मार्ग और 15 ग्रामीण मार्ग बंद हैं।

'लव जिहाद' या धर्मांतरण को लेकर यूपी सरकार सख्त

-अब ऐसा करने वालों को होगी उम्र कैद और लगेगा पांच लाख का जुर्माना

लखनऊ। (एजेंसी)

यूपी की योगी सरकार ने लव जिहाद रोकने और इसको बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने जा रही है। विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार ने एक विधेयक लाई है। इस विधेयक में यूपी विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक पेश करके सरकार ने कहा कि अब 'लव जिहाद' पर उम्रकैद की सजा होगी। छल कपट या जबर्दस्ती कराए गए धर्मांतरण के मामलों में कानून को पहले से कड़ा बनाते हुए इसमें आजीवन कारावास या पांच लाख रुपए जुर्माने की सजा का प्रावधान किया गया है।

संशोधित विधेयक में किसी महिला को धोखे से जाल में फंसाकर धर्मांतरण या लव जिहाद कर अवैध तरीके से शादी करने और उत्पीड़न के दोषियों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है। पहले इसमें अधिकतम 10 साल की सजा का प्रावधान था। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में सोमवार को यूपी विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 को सदन में रखा था। इसमें कोई व्यक्ति धर्मांतरण कराने के इरादे से किसी को धमकी देता है, हमला करता है, विवाह करता या करने का वादा करता है या साजिश रचता है। महिला, नाबालिग या किसी की तस्करी करता है तो उसके अपराध को सबसे गंभीर श्रेणी में रखा जाएगा। ऐसे मामलों में 20 साल या आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है।

यह विधेयक के रूप में पहली बार पारित करने के बाद कानून बना तब इसके तहत अधिकतम 10 साल की सजा और 50 हजार रुपए के जुर्माने का प्रावधान किया गया था। संशोधित प्रावधान के तहत यह व्यवस्था दी गई है कि धर्मांतरण मामलों में अब कोई भी व्यक्ति प्राथमिकी दर्ज करा सकेगा।

23 साल बाद भारत विकसित राष्ट्र होगा- केंद्र सरकार रणनीति के साथ कर रही है काम

नई दिल्ली। (एजेंसी)

2047 आने में अब महज 23 साल बचे हैं और 23 साल में भारत को मध्यम आय से उच्च आय वाला देश बनाना आसान काम नहीं है। इसकी वजह है कि बीते 70 साल में केवल 12 देश ही मध्य आय से ऊंची इनकम वाले विकसित देश बन पाए हैं। मतलब चुनौती बड़ी है। लेकिन, बजट और हाल ही में हुई नीति आयोग की बैठक के बाद 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के कदमों पर बड़े ऐलान और चर्चा की गई है। दरअसल, पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत की आजादी की 100वीं वर्षगांठ पर विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया था। इसके बाद से ही नीति आयोग इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए तमाम तरह के सुझावों, उपायों और फॉर्मूले पर काम करने में जुट गया है। आधी आबादी के साथ किसानों को भी मदद देना बेहद जरुरी है, जिससे विकसित राष्ट्र का सपना साकार करना आसान हो जाए।

लेकिन इस बार के बजट में किसानों के लिए ज्यादा ऐलान ना होने से एक्सपर्ट्स इसे निराशाजनक बता रहे हैं। अब देखना यही है कि विकसित राष्ट्र के सपने को पूरा करने के लिए सरकार आगे किस तरह के कदम उठाएगी जिससे सबका साथ सबका विकास की मंशा भी पूरी की जा सके। इसी वजह से नीति आयोग की बैठक में भी कहा गया है कि भारत को मध्यम आय के जाल से बचने की जरूरत है। पीएम मोदी ने भी कहा है कि ये साल तकनीक और भू राजनीतिक बदलाव का है जिसमें भारत को इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहिए और ऐसी नीतियां बनानी चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा विदेशी निवेश भारत में आए। विकसित राष्ट्र का मतलब केवल शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं होता बल्कि यहां पर रहने वाले निवासियों की सालाना आय 15 लाख रुपये होनी चाहिए। इसके साथ ही भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की जरूरत होगी। नीति आयोग के दृष्टिकोण पत्र विजन फॉर विकसित भारत आठ 2047 में ये बात कही गई है।

अब अगर इस बार के बजट को देखें तो इसमें विकसित राष्ट्र बनाने की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए आधी आबादी यानी महिलाओं के लिए बड़े ऐलान किए गए हैं।

साढ़े 4 लाख भक्तों ने किए बाबा के दर्शन,

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से प्रशासन अलर्ट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

अमरनाथ यात्रा ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस साल एक महीने से भी कम समय में 4.51 लाख से अधिक यात्री अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन के लिए आ चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले साल के 4.5 लाख यात्रियों से भी अधिक है। इससे श्रद्धालुओं में भागीदारी और भक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि का पता चलता है। प्रशासन ने स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए पर्याप्त जल आपूर्ति और स्वच्छता सुविधाओं की भी व्यवस्था की है। यात्रा नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम करते हैं, जो यात्रा के प्रवाह को प्रबंधित करने और किसी भी उभरते मुद्दे को तुरंत संबोधित करने के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय करते हैं।नियंत्रण कक्ष यात्रियों को वास्तविक समय की जानकारी और सहायता प्रदान करने के लिए संचार प्रणालियों से लैस हैं।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा 28 जून को उद्घाटन जत्थे को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद से अब तक कुल 1,36,984 यात्री जम्मू बेस कैंप से अपनी यात्रा पर निकल चुके हैं। 29 जून को शुरू हुई यह यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, तुलनात्मक रूप से, इस वर्ष यात्रियों की बढ़ी हुई संख्या बढ़ी हुई सुविधाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे को उजागर करती है, जिससे कठिन यात्रा भक्तों के लिए अधिक सुलभ और प्रबंधनीय हो गई है। बेहतर चिकित्सा सुविधाएं, कुशल भीड़ प्रबंधन और बेहतर सुरक्षा उपाय प्रदान करने में प्रशासन के प्रयास सफल और शांतिपूर्ण यात्रा में योगदान दे रहे हैं। भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि यात्रियों की अटूट आस्था और भक्ति को दर्शाती है, जो अमरनाथ यात्रा के आध्यात्मिक महत्व की पुष्टि करती है।

भारी बारिश के बावजूद 1677 यात्रियों का एक नया जत्था जम्मू बेस कैंप से दक्षिण कश्मीर हिमालय में अमरनाथ मंदिर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों के 31वें जत्थे में 1300 से अधिक पुरुष, 200 महिलाएं, दो बच्चे और 104 साधु और साध्वियां शामिल हैं। यह समूह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कड़ी सुरक्षा के बीच 67 वाहनों के काफिले में यात्रा करते हुए सुबह 3ः35 बजे भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ। 1677 यात्रियों में से 1269 के पहलगाम पहुंचने की उम्मीद है, जहां से वे अनंत नाग जिले से होकर 48 किलोमीटर का पारंपरिक मार्ग तय करेंगे। इस बीच, 408 यात्रियों ने गंदेरबल जिले में छोटे लेकिन अधिक कठिन 14 किलोमीटर के बालटाल मार्ग को चुना है।

समिति सदस्य मोहंती ने जताई आशंकाः

जगन्नाथ पुरी मंदिर का खजाना हो गया चोरी?

भुवनेश्वर। (एजेंसी)

पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की देखरेख के लिए सरकार की तरफ से नियुक्त गई समिति के एक सदस्य ने यह शक जताया है। उन्होंने आशंका जताई कि पहले कीमती सामान चुराने के लिए नकली चाबियों का इस्तेमाल किया जाता था।

दरअसल वर्ष 2018 में इस रत्न भंडार की असली चाबियां गायब हो गई थी । इसके बाद पुरी प्रशासन ने दो नकली चाबियां बनवाई थी। हालांकि 14 जुलाई को जब रत्न भंडार खोलने की कोशिश की गई, तो इन चाबियों ने काम ही नहीं किया। इसके बाद समिति के सदस्यों को रत्न भंडार के अंदरूनी कक्ष के तीनों ताले तोड़ने पड़े थे। रिटायर्ड आईएएस अधिकारी मोहंती ने बताया कि उन्होंने बैठक में यह मुद्दा उठाया। हालांकि, उन्होंने कहा कि समिति और सरकार को आपराधिक जांच शुरू करने की सिफारिश करने का अधिकार नहीं है। मोहंती ने कहा, 'मंदिर प्रशासन सरकार को हमारे संदेह के बारे में बता सकता है।' उन्होंने कहा कि 14 जुलाई को आंतरिक कक्ष के भीतर कुछ बक्से खुले हुए पाए गए थे।

अंदरूनी कक्ष में लकड़ी की तीन अलमारियां, एक स्टील की अलमारी, दो लकड़ी के संदूक और एक लोहे का संदूक था। मंदिर प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि सिर्फ लकड़ी की एक अलमारी ही बंद मिली। बता दें कि इस पैनल के अध्यक्ष विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता में सोमवार को पुरी में बैठक हुई थी, जिसके बाद समिति के सदस्य जगदीश मोहंती ने ये सनसनीखेज आरोप लगाए।

अंग्रेजी अखबार में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, मोहंती ने बैठक के बाद कहा, 'नकली चाबियों के काम न करने के बाद ताले तोड़े गए, इससे यह साफ होता है कि आपराधिक मकसद और कीमती सामान चुराने की मंशा थी। नकली चाबी का मुद्दा एक धोखा था, क्योंकि चोरी की कोशिश से इनकार नहीं किया जा सकता है।'11 मई को ओडिशा में एक चुनावी रैली के दौरान, पीएम मोदी ने नकली चाबियों को लेकर पिछली बीजद सरकार पर जमकर निशाना साधा था। पीएम मोदी ने सवाल

किया था, 'असली चाबियों का गायब होना एक गंभीर मामला है और नकली चाबियों की मौजूदगी और भी चिंताजनक है। क्या नकली चाबियों का इस्तेमाल भगवान के आभूषणों को हड़पने के लिए किया जाता था?'

झारखंड सरकार ने कबूला कहा- बांग्लादेशियों के आधार कार्ड बने

रांची। (एजेंसी)

झारखंड सरकार ने आंशिक रूप से स्वीकार किया है कि साहिबगंज सहित संताल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के फर्जी आधार कार्ड व विभिन्न प्रकार के वैधानिक प्रपत्र बने हैं। भाजपा के राजमहल विधायक अनंत ओझा के अल्पसूचित प्रश्न के जवाब में राज्य सरकार की ओर से इस आशय का उत्तर आया है। ओझा ने पूछा था कि स्वतंत्रता के बाद संताल परगना की डेमोग्राफी में आमूलचूल परिवर्तन व देश की आंतरिक सुरक्षा का खतरा उत्पन्न हो चुका है। इस सवाल के जवाब में सरकार ने बताया है कि जिला के प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर यह कहा जा सकता है कि इस तरह की कोई सूचना नहीं है। वहीं, सरकार ने घुसपैठियों को चिन्हित करने के लिए किसी टास्क फोर्स के गठन की बात से भी इंकार किया है। राज्य सरकार ने आंशिक तौर पर घुसपैठ की बात को स्वीकार किया है। साथ ही माना है कि आठ सालों में साहिबगंज जिले में घुसपैठ के चार मामले दर्ज हुए हैं। राधानगर थाने में केस संख्या 12/16, 44/16, 110/17 और राजमहल में केस नंबर 44/23 दर्ज हैं। हालांकि डेमोग्राफी बदलने के सवाल पर उत्तर दिया कि ऐसी कोई सूचना नहीं है। साहिबगंज के दक्षिणी पियापुर में सादिक अली टोला में अफजल शेख के वोटर आईडी की जांच वीएलओ के समक्ष की गई। पूछताछ में अफजल शेख ने स्वीकार किया कि वह ठाकुरगंज, पीरगंज बांग्लादेश का रहने वाला है। 10-12 साल पूर्व उसने बांग्लादेश छोड़कर अपने चचेरे भाई शौकत अली के घर आकर रहने की बात कबूली। शौकत अली साहिबगंज में राशन डीलर है। बांग्लादेशी नागरिक के फर्जी पासपोर्ट बनने को लेकर भी राधानगर थाने में केस दर्ज हुआ था। इस केस में सिद्धिश्वर सरकार और राधानगर के तत्कालीन मुखिया गणेश किर्तिनिया को आरोपी बनाया गया था। राजमहल के तालाझारी स्टेशन से पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में 24 फरवरी 2023 की रात नजमुल हवलादार नाम के युवक को पकड़ा। पकड़े जाने पर नजमुल ने अपना पता - शांतिभंगा, थाना- मोरेलगंज, जिला बागेरहाट, ढाका बांग्लादेश बताया। नजमुल ने तब बताया मो सागर नाम के व्यक्ति को 20 हजार देकर वह भारत में आया था। इसके बाद वह दिल्ली जाकर कबाड़ी का काम करने लगा था। लेकिन उसे भारत लाने वाले व्यक्ति आपराधिक काम कराना चाहते थे, ऐसे में वह बांग्लादेश लौटना चाहता था। इस मामले में विदेशी नागरिक अधिनियम की संगत धाराओं में पुलिस ने केस किया था।

एआई के उपयोग से नौकरियों पर बढ़ेगा खतरा? सरकार ने कहा गलत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर कई तरह की शंकाएं हैं। माना जा रहा है कि एआई के इस्तेमाल से नौकरियों का संकट खड़ा हो जाएगा और बेरोजगारों की संख्या बेलगाम हो जाएगी। इस पर केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को संसद को बताया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रयोग से भारत में नौकरियां नहीं जाएंगी और कहा कि इसके विपरीत यह नई तकनीक नई नौकरियों के अवसर खोलेगी।

एआई के कारण नौकरियों के नुकसान की चिंताओं पर लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उनसे प्रश्न पूछे थे। इस सवाल का जवाब देते हुए मांडविया ने कहा, जब इंटरनेट आया तो इसी तरह की अटकलें लगाई गई थीं कि इससे नौकरियां जाएंगी।

जब कंप्यूटर आए, तब भी ऐसी ही बातें हुई थीं। लेकिन आज हम जानते हैं कि इस तरह की तकनीकी उन्नति से और ज्यादा अवसर ही मिले हैं। इसलिए एआई का प्रयोग नौकरियों के नए अवसर ही प्रदान करेंगे।

इस दौरान मनसुख मांडविय श्रम मंत्री ने यह भी कहा कि मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से देश में बेरोजगारी दर में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 38 प्रतिशत से बढ़कर 44 प्रतिशत हो गई है। पश्चिम बंगाल में पर्याप्त नौकरियों की कमी के बारे में बनर्जी के सवाल उठाए जाने पर मंत्री ने निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग राज्य में इंडस्ट्रीज के सामने आंदोलन चलाते रहते हैं, उन्हें यह पता होना चाहोगे कि इसका असर नौकरियों पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की आबादी को देखते हुए, राज्य सरकार को ज्यादा निवेश और उद्योगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहिए था।

हादसा से सबक, एमसीडी ने दृष्टि आईएएस कोचिंग सेंटर को किया सील

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने मुखर्जी नगर इलाके में दृष्टि आईएएस कोचिंग संस्थान के बेसमेंट को बिल्डिंग नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में सील कर दिया है। निगम के मुताबिक दृष्टि आईएएस बिल्डिंग के बेसमेंट में कोचिंग क्लास चला रहा था, जिसका इस्तेमाल केवल स्टोरेज के लिए किया जाना चाहिए। एमसीडी ने यह कार्रवाई राऊ आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन छात्रों की मौत के बाद की है।

दृष्टि आईएएस के अलावा, वाजीराम और रवि तथा श्रीराम आईएएस जैसे अन्य कोचिंग सेंटरों के बेसमेंट भी सील किए गए। एमसीडी ने पिछले दो दिनों में अब तक आठ कोचिंग संस्थानों के बेसमेंट सील किए हैं। एमसीडी ने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटरों के दो केंद्रों ओल्ड राजेंद्र नगर और मुखर्जी नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया है। राऊ आईएएस कोचिंग सेंटर के पास अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है, जिससे इलाके में बारिश का पानी नालों में भर गया था।

लापरवाही और बरसाती नालों की सफाई न करने के आरोपों को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही एमसीडी ने एक जूनियर इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया और एक सहायक इंजीनियर को निलंबित कर दिया। एमसीडी आयुक्त अश्विनी कुमार ने बताया कि दोनों अधिकारी करोल बाग जोन के रखरखाव विभाग में पदस्थ और उस क्षेत्र की जिम्मेदारी उनके पास थी।

बिहार में छप रहीं थी एनसीईआरटी की नकली पुस्तकें, पुलिस ने मारा छापा

दो प्रिंटिंग प्रेस को किया सील, दोनों प्रेस के संचालक फरार

पटना। (एजेंसी)

बिहार में दो प्रिंटिंग प्रेस से एनसीईआरटी पुस्तकों के नकली छपाई व भंडारण का मामला उजागर हुआ है। एनसीईआरटी के क्षेत्रीय कार्यालय के मार्केटिंग प्रतिनिधि के साथ दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी ने दोनों प्रिंटिंग प्रेस में छापेमारी कर कई कक्षाओं की पुस्तकें जब्त की हैं। पुलिस ने दोनों प्रिंटिंग प्रेस को सील कर दिया है। प्रिंटिंग प्रेस संचालक वहां से फरार हो गए हैं। इनमें एक प्रिंटिंग प्रेस के मालिक विजय कुमार और दूसरे प्रेस के मालिक कमलेश सिंह शामिल हैं। बताया जा रहा है कि दोनों प्रिंटिंग प्रेस से 11वीं कक्षा के जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं कक्षा छह के सामाजिक विज्ञान की एक-एक प्रति जांच के लिए भेजी जा रही हैं। कंपनी के मार्केटिंग प्रतिनिधि ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें उल्लेख किया है कि नकली पुस्तक की छपाई, भंडारण व ब्रिकी से भारत सरकार को आर्थिक क्षति और

सरकार की एजेंसी की साख खराब हुई है। थाना अध्यक्ष राजेश कुमार झा ने बताया कि कापी राइट एक्ट के उल्लंघन समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर फरार आरोपितों की तलाश में पुलिस छापामारी कर रही है। एनसीईआरटी के क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता के मार्केटिंग प्रतिनिधि रवि नारायण त्रिपाठी ने बताया कि सूचना मिली थी कि पटना में एनसीईआरटी की नकली पुस्तकों की छपाई कर बाजार में बेची जा रही हैं। यहां छापेमारी में बड़ी संख्या में एनसीईआरटी की 11वीं की नकली मुद्रित पुस्तकों का भंडार मिला है। यहां से छापामारी दल कमलेश सिंह के प्रिंटिंग प्रेस में पहुंचा। यहां से बड़ी संख्या में एनसीईआरटी की कक्षा छह नकली मुद्रित व भंडारित पुस्तकें बरामद की हैं।

सिंधुदुर्ग जिले के जंगल में लोहे की जंजीर से जकडी मिली अमेरिकन महिला

मुंबई । (एजेंसी)

महाराष्ट्र के सिंधु दुर्ग जिले के जंगल में 50 वर्ष की अमेरिकन महिला पेड़ में बंधी हुई मिली है। लोहे की जंजीरों से बांधकर इसे रखा गया था। इस महिला के पास अमेरिका के पासपोर्ट की फोटो कॉपी और तमिलनाडु के पते वाला आधार कार्ड मिला है। महिला की मानसिक हालत खराब है,महिला जख्मी भी है। उसे इलाज के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। महिला की पहचान उसके पास से मिले आधार कार्ड से हुई है। उसका नाम ललिता कायी है। उसका निवास स्थान तमिलनाडु का है, जो दस्तावेजों में लिखा हुआ है। उसके कागजों में एक डॉक्टर का परचा

भी पुलिस को मिला है।

स्थानीय पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में पता चला है। यह अमेरिकी महिला 10 साल से भारत में रह रही है। उसके वीजा की वैधता खत्म हो चुकी है। महिला जिस हालत में मिली है। वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। इसको कई दिनों से कुछ खाने-पीने के लिए नहीं मिला है। जिसके कारण यह बहुत कमजोर है। बोलने लायक स्थिति में नहीं है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

लालू का आरोप, 13 दिनों में 7 रेल दुर्घटनाएं.....ताबूत बन गए डिब्बे

पटना ।

झारखंड के चक्रधरपुर में हुए ट्रेन हादसे में दो की मौत और कई घायल हैं। हाल के दिनों में हुए रेल हादसों पर पूर्व रेलमंत्री और आजरेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने चिंता जाहिर की है। लालू यादव ने ट्वीट कर कहा, 13 दिनों में 7 रेल दुर्घटनाएं! मोदी सरकार ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था के मूलभूत कदम भी नहीं उठा रही है। रेलवे इतनी असुरक्षित हो चुकी है कि ट्रेनों पर चढ़ने से पहले यात्री प्रार्थना करते हैं कि यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा ना हो। रेल के डिब्बे आज चलते फिरते ताबूत बनकर रह गए हैं। उधर, दक्षिण पूर्व रेलवे के सीपीआरओ ओम प्रकाश ने बताया कि 80 प्रतिशत यात्रियों को बस से चक्रधरपुर स्टेशन ले जाया जा चुका है। वहीं बाकी, 20 प्रतिशत यात्रियों को स्पेशल ट्रेन से चक्रधरपुर भेजा गया है। इस दुखद ट्रेन दुर्घटना पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों के इलाज के लिए समुचित व्यवस्था करे। इस पर डीसी के द्वारा जवाब में कहा कगा कि खरसांवा प्रखंड अंतर्गत पोटो बेड़ा गांव के समीप ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हुई है। जिला प्रशासन सरायकेला खरसांवा द्वारा राहत बचाव कार्य एवं हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। जिला प्रशासन पूर्वी सिंहभूम सभी आवश्यक सहयोग प्रदान के संबंध में सरायकेला खरसांवा जिला प्रशासन के लगातार संपर्क में है।

कर्नाटक में 130 की स्पीड में गाड़ी.....एफआईआर दर्ज करने की तैयारी

बेंगलुरु ।

भारत में हर साल बड़ी संख या में सड़क हादसे होते हैं। इसमें कई लोग घायल हाते हैं और कुछ की मौत हो जाती है। इसके बाद कर्नाटक राज य गाड़ी चलाने पर नया नियम लेकर आया है। कर्नाटक में एक अगस्त 2024 से गाड़ी को 130 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की स्पीड से चलाना भारी पड़ सकता है। ट्रैफिक पुलिस की ओर से बताया गया कि अगर गाड़ी 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलाते ट्रक की गई तब ड्राइवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी है। राज्य के यातायात और सड़क सुरक्षा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार ने बताया कि राज य में करीब 90 फीसदी गंभीर हादसों का कारण तेज स्पीड है। इसके बाद इनकी संख्या में कमी लाने के लिए कदम उठाना जरूरी है। पुलिस के मुताबिक बीती 25 जुलाई को बेंगलुरु-मैसूर हाइवे पर 155 लोगों ने अपनी गाड़ी को 130 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की स्पीड पर चलाया है। लेकिन अब राज्य में कहीं पर भी 130 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की स्पीड से गाड़ी चलाने पर तेज और खतरनाक ड्राइविंग के लिए एफआईआर दर्ज होगी।

विपक्ष का हमला ....अश्विनी वैष्णव को कहा रील मंत्री

अब जबावदेही तय होनी चाहिए

नई दिल्ली ।

झारखंड में ट्रेन दुर्घटना के बाद विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर तीखा हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हुई और 20 घायल हो गए। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने रेल सुरक्षा के मामले में केंद्र के ट्रैक रिकॉर्ड पर निशाना साधकर कहा, ये सरकार रेल दुर्घटनाओं में रिकॉर्ड बनाना चाहती है। यह मोदी सरकार सिर्फ बड़े-बड़े दावे करती है। लोगों की जान जा रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर मोदी सरकार से कई रेल दुर्घटनाओं के बाद जवाबदेही तय करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय करने को कहा। पूर्व रेल मंत्री बनर्जी ने ट्वीट किया, मैं गंभीरता से पूछती हूं: क्या यह शासन है? लगभग हर हफ्ते बुरे सपने की यह श्रृंखला, रेलवे पटरियों पर मौतों और चोटों का यह अंतहीन सिलसिला। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने रेल दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं पर मोदी सरकार की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाकर उस पर शर्मनाक उदासीनता का आरोप लगाया। मुआवजे की घोषणा करें, जांच का वादा करें और दूसरे पीआर इंस्टाग्राम रील पर आगे बढ़ें। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पर हमला कर उन्हें रील मंत्री कहा और ट्रेनों में भीड़भाड़ की आलोचना कर कहा, लोग शौचालयों में यात्रा कर रहे हैं, लेकिन सरकार को शर्म नहीं आती।

नीतीश वसूल रहे पाई पाईः भारी भरकम बजट के बाद अब आरक्षण के बहाने को मोदी सरकार को धर्म संकट में डाला

पटना। (एजेंसी)

सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी लंबे समय से राज्य के लिए विशेष दर्जे की मांग कर रही थी। लेकिन, मौजूदा नियमों के मुताबिक बिहार जैसे राज्य को विशेष दर्जा देना संभव नहीं था। ऐसे में मोदी सरकार ने 2024 के आम बजट में बिहार के लिए खजाना खोल दिया। बजट में बिहार में विकास कार्यों और बाढ़ नियंत्रण के लिए करीब 64 हजार करोड़ रुपये देने की घोषणा हुई। इसके बाद भी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को समर्थन देने के बदले ऐसा लगता है कि एक-एक पाई का हिसाब वसूल लेना चाहते हैं। केंद्र सरकार की इस घोषणा से नीतीश कुमार खूब गदगद हुए। उनकी यह वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई। लेकिन, बीते एक हफ्ते के भीतर ही राजनीति ने बड़ी करवट ले ली है। बिहार में समाजवाद का चेहरा नीतीश कुमार एक नई मांग के साथ केंद्र सरकार के सामने खड़े हैं। यह एक ऐसी मांग है जिसने केंद्र सरकार को धर्म संकट में डाल दिया है।

दरअसल, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को एक बड़ा झटका दिया। राज्य सरकार ने पिछले साल राज्य में जाति सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी कर दिया। उस वक्त राज्य में नीतीश कुमार राजद के समर्थन से मुख्यमंत्री थे। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन के गठन की पहल की। इसी दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर ओबीसी आरक्षण सीमा बढ़ाने की वकालत की।

इसी क्रम में उन्होंने बिहार में पहले जाति सर्वेक्षण और फिर आरक्षण की सीमा 65 फीसदी करने के फैसले को विधानसभा की मंजूरी दिलाई। उनके इस फैसले का बिहार भाजपा ने भी समर्थन दिया था। इसके बाद नीतीश सरकार के इस फैसले को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई और हाईकोर्ट ने इसे रद्द कर दिया। फिर बिहार सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। जहां सोमवार को शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

सीएम नीतीश कुमार की पूरी राजनीति ओबीसी और ईबीसी केंद्रीत रही है। बीते 34 सालों से बिहार में करीब-करीब समाजवादियों की सरकार है। इसमें पहले लालू यादव फिर नीतीश कुमार की सत्ता चल रही है। जाति सर्वेक्षण के बाद इन्होंने ओबीसी-ईबीसी राजनीति को नई धार दी है। अब यह मसला कानूनी पचड़े में फंस गया है। लेकिन, केंद्र सरकार से नीतीश ने ये नई मांग कर उसे धर्म संकट में डाल दिया है। अब यह मुद्दा राजनीतिक बन गया है। विपक्षी राजद इसको लेकर नीतीश कुमार पर हमलावर है। नीतीश की राजनीति के लिए इस फैसले को लागू करवाना बेहद अहम हो जाता है। ऐसे में इसका एक ही रास्ता बचता है। बिहार सरकार के इस फैसले को केंद्र सरकार संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल दे। इसको लेकर नीतीश कुमार और उनकी पार्टी ने केंद्र सरकार से औपचारिक तौर पर अनुरोध भी किया है। बीते दिनों नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा में इसको लेकर पीएम मोदी अनुरोध करने की बात भी कही। नीतीश कुमार की इस मांग से केंद्र सरकार धर्म संकट में आ गई है।

मप्र के सिंगरौली जिले में बोरवेल में गिरने से बच्ची की मौत

- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आम जनता से की सतर्कता की अपील

सिंगरौली । मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में एक खुले बोरवेल में गिरने से तीन साल की बच्ची की मौत के मामले में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दुख्ख जताते हुए आम जनता से सतर्कता की अपील की है। डॉ यादव ने कल सोमवार देर रात एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सिंगरौली जिले के जनपद पंचायत चितरंगी के ग्राम कसर में किसान पिंटू शाह के स्वयं के खेत में उनकी तीन साल की बेटी सौम्या की बोरवेल में गिरकर मौत होने का समाचार अत्यंत दुखद है। इस तरह की लापरवाही से बच्चों की जान जोखिम में डालना और मासूम का काल कवलित होना अत्यंत दुखद है। बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है कि बोरवेल के गड्ढों को खुला ना छोड़ें। जनता की सतर्कता ही बच्चों का जीवन बचा सकती है। जिला प्रशासन को पहले ही निर्देशित किया जा चुका है कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि सिंगरौली में बच्ची के गिरने की सूचना मिलने पर तत्काल बोरवेल के समानांतर खुदाई कर बचाव के प्रयास किए गए, लेकिन मासूम को बचाया न जा सका। बाबा महाकाल से दिवंगत की पुण्य आत्मा को शांति प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना है। सिंगरौली जिले में तीन साल की मासूम सौम्या सोमवार शाम अपने ही पिता के खेत में खुले बोरवेल में गिर गई थी। कल ही बच्ची का जन्मदिन भी था। बच्ची के गिरने की सूचना मिलते ही प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरु कर दिया, लेकिन बोरवेल में बारिश का पानी भरा होने के कारण लगभग पांच घंटे के प्रयास के बाद भी बच्ची को बचाया नहीं जा सका।

सरकार ने नहीं मांगी माफी, फिर सड़कों पर उतरे छात्र, बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन शुरु

ढांका। बांग्लादेश में फिर सड़कों पर छात्र उतर आए हैं ओर बवाल मचा रहे हैं। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने माफी मांगने की चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया है, जिसके बाद छात्र आपे से बाहर हो गए हैं और सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। छात्र अपने नेताओं की रिहाई की मांग कर रहे हैं। सरकार ने प्रदर्शन करने वाले छात्र नेताओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। छात्रों ने देश में अशांति के लिए सरकार को माफी मांगने के लिए कहा था, जिसे सरकार ने नंजरअंदाज कर दिया जिसके बाद छात्रों ने फिर प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। इससे पहले सोमवार को बांग्लादेश सरकार ने पहली बार माना कि अशांति में देशभर में करीब 150 लोग मारे गए हैं। सरकार ने राष्ट्रव्यापी शोक की घोषणा की है। हाल ही में बांग्लादेश में हिंसा भड़क उठी और सरकार ने नौकरी में आरक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए सेना बुला ली। इस महीने की शुरुआत में यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ और फिर पीएम शेख हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक आंदोलन में बदल गया। अशांति में पुलिसकर्मियों समेत हजारों लोग घायल हुए हैं और प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बांग्लादेशी अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने मोबाइल इंटरनेट और प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उस दिन पहले बंद कर दिया था। अब देश में इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

सिंगापुर में 16 तरह के कीड़ों को खाने की इजाजत

-झींगुर, टिड्डे, मधुमक्खी आदि को खा सकते हैं लोग

सिंगापुर सिटी। सिंगापुर में 16 तरह के कीड़ों को खाने में शामिल करने की इजाजत दे दी गई है। इसमें झींगुर, टिड्डे, ग्रब, मधुमक्खी की एक प्रजाति और अनाज में पैदा होने वाले कीड़े शामिल हैं। दरअसल, कई साउथ-ईस्ट देशों में पहले से ही कीड़े स्ट्रीट फूड का हिस्सा रहे हैं। लेकिन सिंगापुर में हाइजीन और स्वास्थ्य को देखते हुए कीड़ों को खाने की इजाजत नहीं दी गई थी। हालांकि, अब यहां फूड पॉलिसी बदल दी गई है। सिंगापुर की फूड एजेंसी ने आदेश दिया है कि खाने के लिए पास किए गए कीड़ों को एक्सपर्ट्स की देखरेख में ही पाला जाएगा। इन्हें जंगली पर्यावरण से नहीं लाया जाएगा। देखभाल के दौरान इन्हें खराब खाना नहीं दिया जा सकता।

सैंपल के तौर पर दी जा रही कीड़ों की डिशेज- सिंगापुर में सीफूड बेचने वाला एक रेस्त्रां ने इन कीड़ों को परोसना भी शुरू कर दिया है। रेस्त्रां में फिश करी के साथ झींगुर और तोफू के साथ कीड़े खिलाए जा रहे हैं। इसके अलावा फ्राइड राइस में भी कीड़ों की टॉपिंग्स डाली गई हैं। रेस्त्रां के मेन्यू में 30 ऐसी डिश शामिल की गई हैं, जिसमें इन कीड़ों को परोसा जाएगा। फूड अथॉरिटी से इजाजत मिलने के बाद इन्हें आम लोगों को दिया जाएगा। फिलहाल यह सैंपल के तौर पर ग्राहकों को दिया जा रहा है। सिंगापुर के फूड सिक्योरिटी एक्सपर्ट पॉल तेंग ने बताया कि ज्यादातर किड़ों में प्रोटीन की मात्रा काफी ज्यादा होती है। हालांकि, लोगों के रोजमर्रा के खाने में इन्हें शामिल करवाना एक बड़ी चुनौती होगी।

भारत में भी खाई जाती है कीड़ों की सैकड़ों प्रजातियां- दुनियाभर के 128 देशों में कीड़ों की 2 हजार 205 प्रजातियों को खाया जाता है। ये ज्यादातर एशियाई, अफ्रीकी देशों के अलावा मेक्सिको में मिलते हैं। थाईलैंड, भारत और चीन में कीड़ों की सैकड़ों प्रजातियों को खाया जाता है। ब्राजील और जापान में भी कीड़ों की करीब 100 प्रजातियों को खाया जाता है।

ब्रिटेन में एक युवक ने आठ लोगों को मारा चाकू, पुलिस ने दबोचा

लंदन। ब्रिटेन में एक व्यक्ति ने चाकू से कई लोगों पर हमला कर दिया जिसमें बच्चों समेत कई लोगों के घायल होने की खबर है। साउथपोर्ट में कई लोगों को चाकू मारने की घटना के बाद मर्सीसाइड पुलिस ने ऑपरेशन शुरू किया और लोगों को चाकू मारने वाले हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से घटना में इस्तेमाल किया चाकू भी जब्त कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले में बच्चों समेत कम से कम आठ लोग घायल हुए हैं। इस हमले को अंजाम देने वाले आरोपी पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। पुलिस ने कहा कि साउथपोर्ट में सोमवार को चाकूबाजी की एक बड़ी घटना में कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। मर्सीसाइड पुलिस ने पुष्टि की है कि उन्होंने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

इजराइल का हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला, दो की मौत

तेल अवीव। गाजा में हमास और इजरायल के बीच जंग जारी है। इजराइली सेना गाजा के राहत शिविरों पर हमले कर रही है जिसमें अब हजारों मासूम लोगों के साथ संयुक्त राष्ट्र के सहयोगियों की जान जा चुकी है। इस बीच इजराइली सेना ने अब लेबनान में हिजबुल्लाह के साथ भी युद्ध शुरू कर दिया है। गोलान हाइट्स पर रॉकेट हमले के बाद इजरायल ने बदले की कार्रवाई की है। इजराइली की आईडीएफ ने लेबनान के अंदरूनी इलाकों और दक्षिणी में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले किए हैं। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई के घायल होने की खबर है। इजरायल के कब्ज़े वाले क्षेत्र गोलान में हमले के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपना अमेरिका दौरे बीच में ही छोड़कर लौट आए थे। उन्होंने हिजबुल्लाह के खिलाफ मोर्चा खोलने के लिए सुरक्षा कैबिनेट की अहम बैठक बुलाई। बैठक में नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह पर बड़ी कार्रवाई करने का फैसला लिया और इसके साथ उसको भारी कीमत चुकाने की चेतावनी भी दी है। इजरायल के इस फैसले के बाद मध्य-पूर्व में युद्ध फैलने का खतरा बढ़ गया है।

स्लोवाकिया ने दी यूक्रेन को डीजल सप्लाई बंद करने की धमकी

प्राग। स्लोवाकिया ने यूक्रेन को डीजल की सप्लाई रोकने की धमकी दी है। पीएम रॉबर्ट फिको का कहना है कि यदि यूक्रेन के रास्ते स्लोवाकिया तक रूसी तेल का परिवहन शुरू नहीं किया गया तो देश की स्लोवनाफ्ट रिफाइनरी, यूक्रेन को डीजल की सप्लाई बंद कर देगी। यूक्रेन ने हाल ही में रूसी कंपनी लुकोइल से ड्रूजबा पाइपलाइन के ज़रिए स्लोवाकिया और हंगरी तक तेल के परिवहन को रोक दिया था। जून में कंपनी को प्रतिबंध सूची में डाल दिया था। स्लोवाकिया के वित्त मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि लुकोइल से यूक्रेन के जरिए स्लोवाकिया को तेल की डिलीवरी पहले ही बंद हो चुकी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीएम फिको ने एक वीडियो संदेश में कहा है कि यूक्रेन द्वारा लुकोइल पर लगाए प्रतिबंध को आगे लागू करने से यूक्रेन, स्लोवाकिया और हंगरी को ही नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि यदि यूक्रेन के जरिए से रूसी तेल की सप्लाई जल्द शुरू नहीं की गई तो स्लोवाकिया की कंपनी स्लोवनाफ्ट जो यूक्रेन को डीजल की आपूर्ति बंद कर देगी। पीएम फिको ने एक वीडियो संदेश में कहा था कि स्लोवाकिया की ओर से मैं दोहराता हूं कि हम तैयार हैं। मैं उन रिपोर्टों का स्वागत करता हूं जो पुष्टि करती हैं कि संबंधित वाणिज्यिक कंपनियां पहले से ही इस तकनीकी समाधान को कम से कम समय में लागू करने पर विचार कर रही हैं।

वेनेजुएला में चुनाव परिणामों के बाद से ही प्रदर्शन जारी है। इसी दौरान सुरक्षा बलों के सामने एक मोलोटोव कोकटेल गिरने से आग लग गयी।

अमेरिकी ज्योतिषी का दावा- डोनाल्ड ट्रंप बनेंगे राष्ट्रपति

वॉशिंगटन। इंटरनेट के सबसे चर्चित ज्योतिषी के रूप में जानी जाने वाली एमी ट्रिप ने कहा कि सितारों के अनुसार, अगले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प हो सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि डोनाल्ड ट्रम्प अपनी व्यावसायिक सफलता के शिखर का आनंद ले रहे हैं। एमी ट्रिप का कहना है कि डोनाल्ड ट्रम्प की राशि में बैठा सूर्य इन दिनों अपने पूरे ओज पर है और यह दर्शाता है कि वे ही अमेरिका के अगले राष्ट्रपति होंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प पर हत्या का प्रयास केवल शुरुआत है। आने वाले दिनों में उन पर और भी बड़ी विपत्ती आ सकती हैं। एमी ट्रिप ने यह भी भविष्यवाणी की थी कि कमला हैरिस अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होंगी। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि जो बाइडेन बहुत बूढ़े हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि उपराष्ट्रपति नामांकन जीतेंगे क्योंकि उनकी राशि में शनि वापसी कर रही है। एमी ट्रिप ने यह भी भविष्यवाणी की है कि अमेरिका में अगस्त का महीना कठिन हो सकता है। देश में राजनीतिक अशांति हो सकती है। बता दें कि अमेरिका में इसी साल नवंबर में राष्ट्रपति पद के चुनाव होने हैं औरप डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन 19 अगस्त से शुरू होने वाला है। 40 वर्षीय ज्योतिषी एमी ट्रिप ने जो बाइडेन के बारे में 11 जुलाई को अपने एक्स पेज पर पोस्ट किया था कि अगर बाइडेन को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होना पड़ा तो यह मकर पूर्णिमा पर 29 डिग्री मकर राशि पर होगा। मकर राशि शासन और वृद्धावस्था पर भारी पड़ती है और 29 डिग्री इसका एक अंत है। जब एक यूजर ने उनसे सटीक तारीख पूछी कि जो बाइडेन राष्ट्रपति पद की दौड़ कब छोड़ेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया 21 जुलाई। उन्होंने बताया कि उन्हें पूर्णिमा के कारण बिडेन के पद से हटने का भविष्य नजर आ रहा है।

नौवें राष्ट्रपति के रूप में मसूद पेजेशकियन ने ली शपथ, 80 देशों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने मंगलवार दोपहर को ईरानी संसद में पद की शपथ ली। उन्होंने रविवार को ही पदभार ग्रहण कर लिया जब सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने एक समारोह में अपनी मंजूरी की मुहर लगा दी। उम्मीद है कि आज संसद में औपचारिकता के बाद उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों की घोषणा की जाएगी। ईरान में नए राष्ट्रपतियों के उद्घाटन के दो चरण हैं। पहले सर्वोच्च नेता अली खामेनेई एक समर्थन समारोह (तनफ़िज़) में निर्वाचित राष्ट्रपति को मंजूरी देते हैं और फिर नए राष्ट्रपति संसद (तहलीफ़) के समक्ष पद की शपथ लेते हैं। ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख और चुनाव के लिए उम्मीदवारों की जांच करने वाली अनिर्वाचित संस्था गार्जियन काउंसिल के सदस्यों को भी समारोह में उपस्थित रहना चाहिए।

अर्मेनियाई, ताजिक नेताओं ने खामेनेई से की मुलाकात

पशिनियन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए, मेहराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके अतिरिक्त, ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन भी इस समारोह के लिए तेहरान में थे, उन्होंने उसी दिन सर्वोच्च नेता के साथ बैठक की। अर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पशिनियन ने तेहरान की अपनी यात्रा के दौरान सर्वोच्च नेता अली खामेनेई से मुलाकात की। बैठक में

नवनियुक्त प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मदरेज़ा अरेफ़ भी उपस्थित थे।

हमास, इस्लामिक जिहाद नेताओं ने तेहरान में ईरानी अधिकारियों से की मुलाकात

हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख इस्माइल हनियेह और इस्लामिक जिहाद आंदोलन के महासचिव ज़ियाद अल-नखला ने मंगलवार को तेहरान में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई से मुलाकात की। ये नेता नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए ईरान की राजधानी में हैं। हमास ने घोषणा की कि हनियेह ने पेजेशकियान के साथ भी चर्चा की, जिसके दौरान उन्होंने उन्हें गाजा संघर्ष में नवीनतम राजनीतिक और जमीनी घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। हनियेह ने इस्लामिक रिपब्लिक के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

निकोलस फिर बने वेनेजुएला के राष्ट्रपति, ब्रिटेन ने लगाए अनियमिताओं के आरोप

-विपक्षी नेता ने सेना से सही पक्ष के साथ खड़े होने की अपील की

कैरेकस (एजेंसी)। वेनेजुएला के निकोलस मादुरो तीसरी बार राष्ट्रपति बन गए हैं। चुनाव नतीजों के मुताबिक निकोलस को 51 फीसदी वोट मिले हैं। वहीं, विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज को 44 फीसदी वोट हासिल हुए हैं। इन चुनाव नतीजों पर अब विपक्ष ने सवाल उठाने शुरु कर दिए हैं।

बताया जा रहा है ज्यादातर एग्जिट पोल में विपक्ष की जीत का अनुमान लगाया था। इतना ही नहीं, विपक्ष ने एडमंडो गोंजालेज को 70 फीसदी से ज्यादा वोट मिलने का दावा किया था। विपक्ष का दावा है कि उसके पास गोंजालेज की जीत का डेटा भी है। वहीं, विपक्षी नेता मारिया कोरिनो मचाडो ने सोशल मीडिया पोस्ट पर सेना से सही पक्ष के साथ खड़े होने की अपील की है। मारिया पर सैन्य ठिकानों पर हमला करने की साजिश रचने और देश को अस्थिर करने के आरोपों के चलते चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। गोंजालेज का कहना है कि नतीजों को छिपाया नहीं जा सकता देश ने शांतिपूर्वक बदलाव को चुना है।

राष्ट्रपति निकोलस मादुरो 11 साल से सत्ता पर काबिज हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते अपने समर्थकों से कहा था कि अगर वह चुनाव हारते हैं तो वेनेजुएला में खूनखराबा और गृहयुद्ध शुरू हो जाएगा। मादुरो की जीत पर सिर्फ विपक्ष ही नहीं बल्कि ब्रिटेन ने भी सवाल उठाए हैं। ब्रिटेन ने चुनावी प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं होने का आरोप लगाया है। साथ ही चुनाव की डिटेल्ड रिजल्ट जारी करने की भी मांग की है। वहीं, अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने वेनेजुएला के लोगों के साथ खड़े होने की बात कही है। निकोलस मादुरो 2013 से राष्ट्रपति हैं। उनके सत्ता में आने के बाद से वेनेजुएला राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। अनुमान है कि दस साल में 78 लाख से ज्यादा लोग वेनेजुएला छोड़कर जा चुके हैं। एक रिपोर्ट से पता चलता है कि वेनेजुएला की 82 फीसदी आबादी गरीबी से जूझ रही है।

नेता प्रतिपक्ष के पद से हटाए जाएंगे ऋषि सुनक

-भारतवंशी प्रीति पटेल रेस में सबसे आगे, ये पार्टी में सुनक की कट्टर विरोधी थीं

ब्रिटेन (एजेंसी)। ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी में विपक्षी नेता पद के लिए चुनाव शुरू हो गया है। ऋषि सुनक की जगह पार्टी की कमान लेने किए 6 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। इसके लिए 3 महीने तक इनके बीच मुकाबला होगा। कंजर्वेटिव पार्टी को 4 जुलाई को हुए चुनाव में करारी हार मिली थी। इस वजह से वे 14 साल की सत्ता गंवा बैठे थे। यही वजह है कि कंजरवेटिव पार्टी में अब नेता प्रतिपक्ष का चुनाव होने जा रहा है। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। 31 अक्टूबर को इसके लिए पार्टी में चुनाव होगा जिसका परिणाम 2 नवंबर को आएगा।

सुनक की जगह लेने के लिए एक भारतवंशी प्रत्याशी प्रीति पटेल भी रेस में हैं। प्रीति पटेल का मुकालबा केमी बेडनॉच, रॉबर्ट जेनरिक, जेम्स क्लेवरली, टॉम टुगेन्डहाट और मेल स्ट्राइड से होगा।

बोरिस जॉनसन खेमे की नेता हैं प्रीति

प्रीति पटेल 2010 में पहली बार एसेक्स के विथेम से कंजरवेटिव सांसद बनी थीं। जून 2014 में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एकतरफा रिपोर्टिंग के लिए बीबीसी की कड़ी आलोचना की थी। इस दौरान भारत में उनकी खूब चर्चा हुई थी। प्रीति गुजराती मूल की हैं और पीएम मोदी की समर्थक मानी जाती हैं। प्रीति पटेल बोरिस जॉनसन खेमे की नेता रही हैं और सुनक की विरोधी नेता मानी जाती हैं। प्रीति, बोरिस जॉनसन सरकार में गृहमंत्री रह चुकी हैं। कंजरवेटिव पार्टी में थेरेसा मे को हटाकर बोरिस जॉनसन को प्रधानमंत्री बनाने के लिए 'बैक बोरिस' कैम्पेन चला था, प्रीति इसका अहम हिस्सा थीं। प्रीति राइटविंग विचारधारा की नेता हैं। इमीग्रेशन और कानून व्यवस्था पर अपने सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं। प्रीति पटेल को राइटविंग के बड़े हिस्से का समर्थन हासिल है।

तानाशाह किम जोंग मोटापे से हुए परेशान, विदेशों से मंगा रहे दवाईयां

-हाई ब्लड प्रेशर और डायबटीज से हैं पीड़ित, बेटी कर रही उत्तराधिकारी बनने की तैयारी

प्योंगयान (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के अधिकारी अपने नेता किम जोंग उन के इलाज के लिए विदेश से दवाएं मांग रहे हैं क्योंकि तानाशाह किम जोंग का वजन बढ़ गया है और अब वह मोटापे से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट में दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) के मुताबिक किम जोंग हाई ब्लड प्रेशर और डायबटीज जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं। 40 साल की उम्र में, किम का पारिवारिक इतिहास हृदय संबंधी समस्याओं का रहा है, उनके पिता और दादा दोनों की हार्ट अटैक से मृत्यु हुई थी। शराब पीने और धूम्रपान की आदतों के लिए जाना जाने वाला तानाशाह किम जोन करीब 5 फीट, 8 इंच लंबा है और पहले उसका वजन 140 किलोग्राम था।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा प्रतीत होता है कि 2021 में संभवतः आहार परिवर्तन के कारण काफी मात्रा में वजन कम हो गया था, हाल ही में पता चला है कि उन्होंने अपना खोया हुआ वजन वापस पा लिया है।

रिपोर्ट में एनआईएस का अनुमान है कि किम जोन का वर्तमान वजन करीब 140 किलोग्राम है, जो उन्हें हृदय रोग जैसी बीमारियों की दावत दे रहा है। किम में 30 साल से ही हाई ब्लड प्रेशर और मधुमेह के लक्षण दिखे हैं। एनआईएस का मानना है कि किम का मोटापा उसके शराब पीने, धूम्रपान और तनाव से जुड़ा हुआ है। एनआईएस ने सांसदों को यह भी बताया कि उत्तर कोरियाई अधिकारी किम के संदिग्ध हाई ब्लड प्रेशर और मधुमेह के इलाज के लिए विदेश से नई दवाएं खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। किम का स्वास्थ्य उत्तर कोरिया की सीमाओं से परे महत्वपूर्ण रुचि का विषय है।

उन्होंने औपचारिक रूप से उत्तराधिकारी का नाम नहीं दिया है, जिससे यह चिंता बढ़ गई है कि उनकी अक्षमता की स्थिति में देश के बढ़ते परमाणु शस्त्रागार की कमान कौन संभालेगा। ब्रीफिंग के दौरान, एनआईएस ने अपना आकलन दोहराया कि किम की पंद्रह साल की बेटी, जिसका नाम किम जू ऐ है। वो अपने पिता के उत्तराधिकारी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रही है। रिपोर्ट में एनआईएस ने कहा कि वह इस संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं कर सकता है कि उसके भाई-बहनों में से कोई एक उसकी जगह उत्तराधिकारी बन सकता है, यह देखते हुए कि उसे आधिकारिक तौर पर उसके पिता के उत्तराधिकारी के रूप में नामित नहीं किया गया है।

क्वाड बैठक से क्या आया संदेश......तिलमिला उठा चीन

टोक्यो। चीन पर नकेल कसने के लिए बने भारत और अमेरिका सहित चार प्रमुख देशों के क्वाड (क्वाड) गठबंधन के विदेश मंत्रियों ने टोक्यो में मुलाकात की, जिसमें स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की गई। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने भाग लिया। विदेश मंत्रियों ने कहा कि क्वाड हिंद और प्रशांत महासागरों में समुद्र कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के अनुरूप एक स्वतंत्र एवं मुक्त समुद्री व्यवस्था विकसित करने के लिए कटिबद्ध है। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने चीन को साफ संदेश देकर कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी की दबंगई स्वीकार नहीं की होगी। टोक्यो में इस पर जोर दिया गया कि सभी देश मुक्त और खुले हिंद प्रशांत क्षेत्र की ओर काम करे।

एक महत्वपूर्ण कदम के तहत समूह ने अपने महत्वाकांक्षी हिंद-प्रशांत समुद्री क्षेत्र जागरूकता (आईपीएमडीए) कार्यक्रम को हिंद महासागर क्षेत्र तक विस्तारित करने की योजना की घोषणा की। यह घोषणा हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर नई दिल्ली की चिंताओं के बीच की गई। एक संयुक्त बयान में विदेश मंत्रियों ने कहा कि क्वाड हिंद और प्रशांत महासागरों में समुद्र कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनुरूप एक स्वतंत्र एवं मुक्त समुद्री व्यवस्था विकसित करने के लिए कटिबद्ध है।

अमेरिका में साम्यवाद फिर उठा रहा सिर, लाल झंडे हाथ में लेकर निकाली रैली

-क्लास वॉर 2024 का नारा गूंजा, एलन मस्क ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। साम्यवाद और संयुक्त राज्य अमेरिका का एक साथ चलने का विचार अकल्पनीय है। इन दोनों का एक साथ चलना और एक साथ अस्तित्व में रहना अपने आप में एक विरोधाभास हो सकता है। साम्यवाद जिसे अब एक पुरातन आंदोलन या विचारधारा माना जाता है उसने एक बार फिर इस पूंजीवादी देश अमेरिका में सिर उठाया है।

दरअसल, रिवोल्यूशनरी (साम्यवाद) कम्युनिस्ट एक वैश्विक आंदोलन है, जो कई देशों में सक्रिय है। अब अमेरिका में भी इसकी शुरुआत हो चकी है। सभा के बाद करीब 500 आरसीए सदस्यों ने हथौड़े और दरांती का चिन्ह वाले लाल झंडे दिखाते हुए फिलाडेल्फिया की सड़कों पर मार्च किया। जैसे-जैसे मार्च आगे बढ़ा क्लास वॉर 2024 का नारा गूंज उठा। आरसीए के मार्च वीडियो पर एलन मस्क ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

आरसीए ने अपने हैंडल से मार्च का वीडियो शेयर किया, जिसके कैप्शन में लिखा था, अरबपति परजीवी हैं। एलन मस्क ने आरसीए मार्च के वीडियो कैप्शन पर हैरानी जताई और कॉमेंट सेक्शन में एक एक्सक्लेमेटरी मार्क पोस्ट किया। बता दें कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के मालिक एलन मस्क हैं, जिनकी गिनती दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में होती है। शायद एक बिलेनियर के स्वामित्व वाले प्लेटफार्म पर अरबपतियों को परजीवी कहने पर एलन मस्क नाराज हुए और उन्होंने यह प्रतिक्रिया दी है।

एलन मस्क रिवोल्यूशनरी कम्युनिस्ट ऑफ अमेरिका के पोस्ट पर एक्सक्लेमेटरी मार्क से प्रतिक्रिया देकर यह कहना चाहते थे कि टिप्पणी के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। शायद वह कम्युनिस्ट पार्टी की चुटकी ले रहे थे। एक अन्य पोस्ट में आरसीए ने लिखा-उस पार्टी के साथ जुड़ें जो आपके जीवनकाल में ही पूंजीवाद को उखाड़ फेंकेगी। जब एक यूजर ने आरोप लगाया गया कि रिवोल्यूशनरी कम्युनिस्ट ऑफ अमेरिका के सदस्य डेमोक्रेट्स के लिए वोट करेंगे, तो आरसीए हैंडल ने जवाब दिया, नहीं. डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों अरबपतियों की

पार्टियां हैं। इसीलिए हमने आज एक नई पार्टी की स्थापना की है।

साम्यवाद और अमेरिका, चाहे एक-दूसरे से कितने भी अलग क्यों न हों, इसका मतलब यह नहीं है कि इस पूंजीवादी राष्ट्र पर कार्ल मार्क्स की फिलॉसफी का कोई प्रभाव नहीं देखा गया है। बता दें 20वीं सदी की शुरुआत में, अमेरिका में कम्युनिस्ट पार्टी यूएसए का उदय हुआ था जिसने श्रमिक आंदोलनों और सिविल राइट्स एक्टिविज्म में अहम भूमिका निभाई थी। वोल्यूशनरी कम्युनिस्ट ऑफ अमेरिका की स्थापना इसी साल फरवरी में हुई थी। पूरे अमेरिका से कॉमरेड पार्टी के स्थापना समारोह में एकत्रित हुए थे।

संपादकीय

सियासत से आगे

राष्ट्रीय राजधानी के पुराने राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन छात्रों की त्रासद मौत के बाद नगर संस्थाओं और कानून व्यवस्था की एजेंसियों की सक्रियता संतोष की बात है। कोई आश्चर्य नहीं कि हर जिम्मेदार संस्था खुद को बचाने में लग गई है और आरोपियों के खिलाफ पूरी कड़ाई भी बरती जा रही है। दिल्ली नगर निगम ने रविवार को शहर के 13 अन्य सिविल सर्विस कोचिंग सेंटरों के बेसमेंट को सील कर दिया है। पीड़ित और आक्रोशित छात्र कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और सरकारी संस्थाओं को बेहिचक सुधार पर ध्यान देना चाहिए। जो भी सेंटर बेसमेंट या भूतल में चल रहे हैं, उनको बंद कराना जरूरी है। इसमें कोई शक नहीं कि कम किराये और अधिकतम फायदे के लिए ऐसे कोचिंग संचालक बेसमेंट को तरजीह देते हैं। मगर क्या बेसमेंट या खासकर प्रतिकूल मौसम में इनमें कक्षाओं का आयोजन बंद नहीं होना चाहिए? क्या जरा भी आशंका नहीं थी कि बेसमेंट में पानी जानलेवा भी हो सकता है? पुलिस ने छह से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पर वास्तव में कार्रवाई उन लोगों पर होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों की सुरक्षा के प्रति लापरवाह थे। पहली नजर में कोचिंग सेंटर ने अक्षम्य लापरवाही का परिचय दिया। जब घटना शाम 6:35 बजे घटी, तब पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को सूचना शाम 7:10 बजे क्यों दी गई? पानी इतना भर गया कि डूबे हुए छात्रों तक पहुंचने के लिए गोताखोरों को बुलाना पड़ा। अगर हम पीछे पलटकर देखेंगे, तो इंतजाम में अनगिनत कमियां नजर आएंगी, मगर अब जरूरत आगे की सुध लेने की है। आज हो क्या रहा है? दोषारोपण का दौर चल रहा है। दिल्ली की व्यवस्था के लिए जिम्मेदार संस्थाएं और नेता एक-दूसरे के सामने आ खड़े हुए हैं, तो इससे चिंता ही बढ़ती है। एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे लोग अगर दिल्ली की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करते, तो शायद यह हादसा ही नहीं होता। दिल्ली में भवनों से जुड़े अनापत्ति-प्रमाणपत्र कैसे लिए-दिए जा रहे हैं? जहां पार्किंग और भंडारण की सुविधा होनी चाहिए थी, वहां पुस्तकालय और कक्षाएं कैसे चल रही हैं? इस हादसे के बाद दिल्ली में भवन व्यवस्था में सुधार आए, तो बात बने। आज छात्र सुधारों की मांग कर रहे हैं, पर उनके साथ कौन खड़ा है? देश भर से छात्र पढ़ने के लिए दिल्ली आते हैं, क्योंकि उनको यहां की व्यवस्थाओं पर भरोसा है। वे दिल्ली को अपने गांव-शहर से बेहतर जगह मानते हैं। मगर अब दिल्ली को सोचना चाहिए कि वह देश की उम्मीदों पर कितनी खरी उतर रही है? बेशक, दिल्ली आज सुविधाओं का एक बड़ा केंद्र है, पर अपनी कमियों से हमने उस पर अक्सर दाग लगाया है। कमियों पर सियासत गलत नहीं, लेकिन जब हर तरफ सियासत ही होने लगे, तब जल्दी समाधान की उम्मीदें कमजोर पड़ने लगती हैं। सियासी दल एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन पर उतर आए हैं। मामला सड़क से संसद तक पहुंच गया है, पर असली मुद्दा यह है कि आज छात्र अपनी सुरक्षा के प्रति कितने आश्वस्त हैं? उन्हें आगे आकर कौन आश्वस्त करेगा? अब समय आ गया है कि शहरों में हम सियासत की ओर बार-बार न देखें, हमारे लिए व्यवस्था का चाक-चौबंद होना सबसे जरूरी है। जो संस्थाएं हैं, उन्हें निर्धारित ढंग से काम करने देना चाहिए। अधिकारियों को सुधार की कमान थमानी चाहिए और युद्ध स्तर पर एक-एक नागरिक की सुरक्षा पुख्ता होनी चाहिए, छात्र और लोग यही चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ — आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह — पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला — प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु — संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

मौत बांटते असुरक्षित कोचिंग सैंटर, पीजी और हॉस्टल

(लेखक- ललित गर्ग)

दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत-हादसे ने समूचे राष्ट्र को दु:खी एवं आहत किया है, यह हादसा नहीं, बल्कि मानव जनित त्रासदी है, लापरवाही एवं लोभ की पराकाष्ठा है। इस त्रासदी की जड़ में है घोर दोषग्रस्त कोचिंग प्रणाली और व्यवस्था की जड़ों में समा गया बेलगाम भ्रष्टाचार। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कोचिंग संस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, क्योंकि दिल्ली नगर निगम के उन कर्मचारियों और अधिकारियों को क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया जो सब कुछ जानते-बूझते हुए इस संस्थान को बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाने की सुविधा प्रदान किए हुए थे। इस दु:खद एवं पीड़ादायक घटना ने एक बार फ़िर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। जिसकी कीमत निर्दोषों को अपनी जान गंवा का चुकानी पड़ रही है। निश्चित ही देशभर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए कोचिंग सैंटर डैथ सैंटर बन चुके हैं। कोचिंग सैंटरों का कारोबार शासन के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर चल रहे हैं। छात्रों को सुनहरी भविष्य का सपना दिखा कर मौत बांटी जा रही है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। प्रश्न है कि सैंटर के मालिक को तो गिरफ्तार कर लिया लेकिन ऐसी घटनाओं के दोषी अधिकारी क्यों नहीं गिरफ्तार होते? शनिवार की शाम राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के कोचिंग सैंटर में हुए हादसे में तीन छात्रों नेविन डोल्विन, तान्य सोनी और श्रेया यादव की दुखद मौत ने अनेक सवालों को खड़ा किया है। केरल का रहने वाला नेविन आईएएस की तैयारी कर रहा था और वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। उत्तर प्रदेश की श्रेया यादव ने अभी एक महीना पहले ही इस कोचिंग सैंटर में दाखिला लिया था। कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी चल रही थी जहां 150 छात्रों के बैठने की व्यवस्था थी। हादसे के वक्त 35 छात्र मौजूद थे। चंद मिनटों में ही बेसमेंट में पानी भर गया। सिर्फ इसी सैंटर में नहीं, बल्कि लगभग सभी शैक्षणिक कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी बनाई गई है। जिसके गेट बायोमेट्रिक आईडी से खुलते हैं, जैसे ही बारिश होती है, बिजली चली जाती है, उसके बाद बेसमेंट से निकलना बिना बायोमैट्रिक आईडेंटिफिकेशन के मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में हादसे और मौत की संभावना बढ़ जाती है। ओल्ड राजेंद्र नगर के न सिर्फ कोचिंग सैंटर बल्कि पीजी और हॉस्टल की असुरक्षित हालत भी मौत लिये किसी भी क्षण बड़े हादसे की संभावना के साथ खड़ी है। जहां इस कदर अवैध निर्माण है कि कभी भी दूसरा या दोबारा हादसा हो सकता है। इसलिये ऐसे हादसों की जांच से काम नहीं चलने वाला। विडम्बनापूर्ण है ऐसे जलभराव एवं आगजनी के हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। राजधानी में रह-रह कर एक के बाद एक हो रहे हादसों के बावजूद दिल्ली-सरकार की नींद नहीं खुल रही है। हाल ही में गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें हो या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगना और अब कोचिंग सैंटर में तीन होनहार एवं देश के भविष्य बच्चों का दर्दनाक तरीके से डूबकर मर जाना-निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा भी व्यापक स्तर की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन त्रासद हादसों ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए।

परिवार वालों ने और छात्रों ने स्वर्णिम भविष्य के सपने संजो कर और लाखों की फीस देकर कोचिंग शुरू की होगी लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उन्हें इस तरह मौत मिलेगी। छात्रों की मौत को महज हादसा नहीं माना जा सकता, यह एक तरह से निर्मम हत्या है और हत्यारा है हमारा सिस्टम। हादसे से आक्रोशित छात्रों का कहना है कि वे 10-12 दिन से दिल्ली नगर निगम से कह रहे हैं कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई कारवाई जाए लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। हादसे तभी होते हैं जब नियमों और कानूनों को ताक पर रखा जाता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। जलभराव क्यों और कैसे हुआ, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन शैक्षणिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है, लेकिन दुर्घटना होने के बाद ही उन पर कार्रवाई क्यों होती है? सरकार पहले क्यों नहीं जागती?

वैसे तो बेसमेंट में कोचिंग सैन्टर या लाइब्रेरी चलाना गैर-कानूनी है, इस घटना के सन्दर्भ जब बेसमेंट में स्टोर या पार्किंग की अनुमति दी गई थी तो वहां लाइब्रेरी कैसे चलने लगी? स्पष्ट है कि कोचिंग संचालकों और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से ऐसा हो रहा होगा। जलभराव के कारण पानी जब बेसमेंट में घुसा तब लाइब्रेरी में 30-35 छात्र थे। यह तो गनीमत रही कि तीन अभागे छात्रों को छोड़कर बाकी सब जैसे-तैसे निकल आए। इस इलाके में बरसात में हर समय जलभराव होता है, लेकिन किसी ने उसकी सुध नहीं ली। इसका कोई विशेष औचित्य नहीं कि एमसीडी ने एक जांच समिति गठित करने की बात कही है। जांच के नाम पर लीपापोती होने की ही आशंका अधिक है। दिल्ली की घटना इसकी परिचायक है कि जिन पर भी शहरी ढांचे की देखरेख करने और उसे संवारने की जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही से करने के लिए तैयार नहीं। यही कारण है कि देश की राजधानी के साथ-साथ अन्य महानगरों का भी शहरी ढांचा बुरी तरह चरमरा गया है।

बात हम नया भारत एवं विकसित भारत की करते हैं, लेकिन हमारी व्यवस्थाएं अभी वैसी नहीं बनी है और हम अनियंत्रित एवं असुरक्षित विकास करते जा रहे हैं। मुंबई हो, दिल्ली हो, चैन्नई या बेंगलुरु या ऐसे ही अन्य बड़े शहर -हर कहीं अनियोजित विकास और शहरी निर्माण संबंधी नियम-कानूनों के खुले उल्लंघन के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थिति यह है कि सरकारी भवनों तक में सुरक्षा के उपायों की अनदेखी होती है। दिल्ली के इनकम टैक्स भवन में आग से एक अधिकारी की जान हाल में गयी। कहने को तो अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, लेकिन वे कागजों पर ही अधिक हैं या निर्दोषों को परेशानी करने के लिये है। औसत जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारी पैसे बनाने के फेर में रहते हैं और अनियोजित विकास को रोकने के बजाय उसे बढ़ावा देने का काम करते हैं। सब चलता है वाली प्रवृत्ति इस तरह अपनी जड़ें जमा चुकी है कि व्यवस्था की परवाह करना ही छोड़ दिया गया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहरी विकास के बड़े-बड़े दावे करने और उन्हें संवारने की तमाम योजनाएं बनाने के बावजूद देश के शहर दुर्दशाग्रस्त एवं असुरक्षित हैं। हर हादसे पर सियासत होती है लेकिन कोचिंग सैंटर माफिया इतना ताकवर है कि उसके आगे कोई कुछ नहीं बोलता। ऐसा क्यों है यह सब जानते हैं।

लोकसभा 45 मिनिट का चक्रव्यूह और राजनीति

(लेखक राकेश अचल)

उन्होंने प्रधानमंत्री से लेकर अडानी और अम्बानी को भी निशाने पर लिया। सत्तापक्ष और लोकसभा अध्यक्ष भी राहुल को न रोक पाए और न टोक पाए,क्योंकि राहुल पूरी तैयारी से लोकसभा में आये थे। उन्होंने कराधान से लेकर तमाम दूसरे मुद्दों पर जमकर बोला। उन्होंने चक्रव्यूह का जिक्र करते हुए कलियुग के उन पात्रों का भी उल्लेख कर दिया जो जनता के साथ लगातार गलत बयानी कर रहे हैं

7 चक्रव्यूह महाभारत के समय का हो या कलियुग का खतरनाक होता है। कलियुग की बल्कि मोदी युग की सियासत कमलाकार चक्रव्यूह में फंसी है। सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 45 मिनिट तक मौजूदा सियासी चक्रव्यूह पर जब लगातार बोला तो सत्तापक्ष के हौसले कमजोर होते दिखाई दिए। लोकसभा अध्यक्ष तक राहुल गांधी के सामने असहाय नजर आये।

पिछले एक दशक में लोकसभा का सोमवार का दिन सबसे जायदा मार्मिक था। किसी को अंदाज नहीं था कि बजट भाषण पर बोलते हुए प्रतिपक्ष को इस हिकमत अमली के साथ बेनकाब करेंगे ,की सत्तापक्ष मन मसोस कर रह गया। सत्ता के बचाव में खड़े देश के रक्षा मंत्री और संसदीय कार्यमंत्री तक दांत पीसते नजर आये लेकिन राहुल को बोलने से नहीं रोक पाए।सत्ता पक्ष को भी ये उम्मीद नहीं थे कि विपक्ष के नेता उनके ही तीर से उन्हें ही भेदने में कामयाब हो जायेंगे। देश ने पहली बार देखा की लोकतंत्र की भूमि अभी वीरविहीन नहीं हुई है।

राहुल कि भाषण कि दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू को सबने बिलबिलाते देखा । किरण ने राहुल पर आरोप लगाया कि वे संसदीय कानूनों को नहीं जानते। किरण ये आरोप लागते हुए भूल जाते हैं कि राहुल उतने ही वरिष्ठ संसद हैं जितने की वे। राहुल गांधी को संसदीय कामकाज का ज्ञान नहीं होगा। राहुल गांधी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी वरिष्ठ हैं और प्रधानमंत्री से भी। उन्हें यदि संसदीय प्रक्रिया का ज्ञान न होता तो ओम बिरला राहुल की गिल्लियां उड़ा देते।

राहुल कि भाषण में सच कितना था और झूठ कितना ये संसदीय अभिलेख में दर्ज हो चुका है। सत्तापक्ष चाहे तो उनके झूठ को बिना मशीन कि इस्तेमाल के भी जांचा जा सकता है । राहुल बच्चे नहीं है। उन्होंने अपना भाषण मेहनत से तैयार किया होगा ,तभी तो वे सत्तापक्ष के चक्रव्यूह को भेद सके और लगातार हमलावर रहे।

उन्होंने प्रधानमंत्री से लेकर अडानी और अम्बानी को भी निशाने पर लिया। सत्तापक्ष और लोकसभा अध्यक्ष भी राहुल को न रोक पाए और न टोक पाए,क्योंकि राहुल पूरी तैयारी से लोकसभा में आये थे। उन्होंने कराधान से लेकर तमाम दूसरे मुद्दों पर जमकर बोला। उन्होंने चक्रव्यूह का जिक्र करते हुए कलियुग के उन पात्रों का भी उल्लेख कर दिया जो जनता के साथ लगातार गलत बयानी कर रहे हैं।

राहुल के भाषण में मोदी जी के भाषणों जैसे कटाक्ष नहीं थे। घबड़ाहट नहीं थी और न ही खिसियाहट। राहुल सामन्य होकर भाषण दे रहे थे। ये उनका आत्मबल है ,अन्यथा आज के युग में मोदी जी के मुकाबले कौन खड़ा हो सकता है ? राहुल ने देश में और भाजपा में व्याप्त भय को रेखांकित करना नहीं भूले । उन्होंने बार-बार इस बात का जिक्र किया कि भाजपा भय की राजनीति कर रही है। उन्होंने भाजपा और उसके समर्थकों को शिवजी की बारात तक कह दिया। उन्होंने अपने भाषण में कोई भी मुद्दा नहीं छोडा । राहुल ने अग्निवीर,नीट पर्चा लीक हीनहीं बल्कि किसानों और युवाओं के भी मुद्दे उठाये। उन्होंने जातीय जनगणना का मुद्दा भी छोड़ा नहीं है

देश ने देखा की राहुल के भाषण के समय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण जी भी सदन में मौजूद थीं ,लेकिन वे भी राहुल के बहशें के दौरान अपने दोनों हथेलियों से अपना चेहरा छिपातीं नजर आयी। वे या तो राहुल के भाषण से ऊब रहीं थीं या फिर शर्मसार हो रहीं थीं वित्तमंत्री जी की अकुलाहट देखने लायक थी। राहुल ने किसानों का ही नहीं अपितु पत्रकारों को एक शीशे के पीछे कैद किये जाने का भी जिक्र किया। लोकसभा अध्यक्ष राहुल के आरोपों पर निरुत्तर दिखाई दिए । उन्हें न जानें कितनी बार राहुल को डांटा,डराया,धमकाया लेकिन जब राहुल पर किसी भी बात का कोई असर नहीं हुआ तो खामोश हो गए। राहुल ने जिस हिकमत अमली का मुजाहिरा किया वो अप्रत्याशित था। उन्हें जब लोकसभा अध्यक्ष ने हद में रहने और अडानी तथा अम्बानी पर बोलने से रोका तो राहुल ने एक को ऐ-वन और दूसरे को ऐ-टू के नाम से सम्बोधित करने की अनुमति मांगी।

गौरतलब है कि नयी लोकसभा में चुनकर आये विपक्ष के सदस्य गूंगे-बहरे नहीं है । राहुल से पहले तृण मूल कांग्रेस के अभिजीति बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष को छकाया था। अभिजीत के भाषण के दौरान सत्ता पक्ष के तमाम सदस्य कसमसाते रह गए। मुझे हैरानी है किलोकसभा अध्यक्ष ने इतना सब कुछ होने के बाद भी अभी तक सदन के किसी सदस्य को निलंबित नहीं किया है। पिछली बार निलंबित सदस्यों की संख्या 150 के आसपास पहुंच गयी थी। लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला जी को असहाय देखकर मुझे उनसे विशेष सहानुभूति हुई ह। वे भले ही भाजपा से हैं इससे क्या फर्क पड़ता है ?

भाजपा के चक्रव्यूह में देश भी है और राहुल गांधी भी। अब देखना ये है की देश और राहुल भाजपा के इस चक्रव्यूह को भेद पाते हैं या उनकी दशा भी अभिमन्यु की तरह होगी ? आज की पीढ़ी महाभारत के चक्रव्यूह के बारे में यदि नहीं जानती हो तो उसे गूगल खंगाल लेना चाहिए। समझ में आ जाएगा की अभिमन्यु वध में किसने ,क्या किया था। आज की भारतीय राजनीति में राहुल चक्रव्यूह में घिरे भी हैं लेकिन उन्होंने चक्रव्यूह से निकलकर भी दिखा दिया है। राहुल मोदी युग में मोदी के रहते हुए भी अब एक ब्रांड बन गए हैं। यही उनकी उपलब्धि है। याद रखिये की मै न मोदी के पाले में हूँ और न राहुल के पाले में। मै जनता के पाले में हूँ।

विचार मंथन

आत्मविश्वास जगाकर आगे बढ़ें

(लेखक-संजय गोस्वामी)

वास्तव में प्रत्येक मनुष्य में महानता की अनन्त सम्भावनाएँ छिपी पड़ी हैं। किंतु मनुष्य को अपनी महत्ता पहचानकर उसके अनुरुप चिन्तन और कर्म भी तो करना चाहिए। कोई मनुष्य किसी एक दिशा में महान् हो सकता है तो कोई अन्य मनुष्य किसी दूसरी दिशा में आगे बढ़ सकता है। जिस मनुष्य के पास जो कुछ गुण या शाक्ति है, वह उसी को लेकर ऊँचा उठे। तभी उसकी सफलता और सार्थकता है। अनन्त शाक्तिमान् परमेश्वर का अंशभूत होने के कारण मनुष्य में अनन्त शक्तियों का भण्डार भरा पड़ा है तथा उसमें अनन्त उन्नति की सम्भावनाएं छिपी हुई हैं। अपनी निधि को बिना पहचाने तो राजा भी रंक ही है। मनुष्य अपनी अगणित प्रसुप्त शक्तियों को भूलकर दयनीय और उन्हें जगाकर समर्थ हो जाता है। अपनी शाक्तियों पर भरोसा करने की आवश्यकता है, उनके सदुपयोग करने और संकल्प लेने की आवश्यकता है, उत्तम लक्ष्यों की ओर चल पड़ने की आवश्यकता है, दृढ़ता और धैर्य की आवश्यकता है, आत्मविश्वास की आवश्यकता है। मनुष्य को कभी-कभी एकान्त में बैठकर आत्मविश्वास को जगाने का अभ्यास करना चाहिए और पग-पग पर सँभलने का निश्चय करना चाहिए। मनुष्य आत्मविश्वास को जगाकर ही संकटों को पार करता हुआ आगे बढ़ सकता है, ऊँचे उठ सकता है और महान् बन सकता है। आत्मविश्वास का अर्थ हैं अपनी समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने की अपनी सामर्थ्य में विश्वास होना। मनुष्य विवेक के सहारे अपने विलुप्त आत्मविश्वास को जगा सकता है।हमारे विचारों, आशाओं, निराशाओं, भय, घृणा, क्रोध आदि मनोवेगों का प्रभाव हमारे शरीर के अंग-प्रत्यंग पर पड़ रहा है, हमारे स्वास्थ्य और मनोदशा पर पड़ रहा है, शरीर की एक-एक कोशिश (सेल) पर पड़ रहा है ; हृदय और मस्तिष्क पर पड़ रहा है, रक्त पर पड़ रहा है, स्नायुतंत्र (नर्वस-सिस्टम) पर पड़ रहा है। हमारे विचारों का प्रभाव हमारे व्यक्तित्व में झलक रहा है। जितनी बार भी हम चिंता से घबरा उठते हैं अथवा उत्तेजित होकर व्यर्थ ही घृणापूर्ण क्रोध में भड़क उठते हैं, उतनी बार हम मानों अपने ही शरीर में, मस्तिष्क से तथा प्रत्येक सेल से ही लड़ बैठते हैं। प्रत्येक चिन्ता और भय हमारे मन और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव छोड़कर जाते हैं। चिंता और भय हमारे स्नायु-तंत्र में कम्पन तथा रक्त में एक विषैला तत्व उत्पन्न कर देते हैं जो हमें जर्जर कर देते हैं। मानसिक तनाव से बृहदांत्र शोथ (कोलाइटिस), उदरव्रण, सिरदर्द, कमरदर्द, हृदयघात आदि महारोग उत्पन्न हो जाते हैं। मानसिक तनाव का उपाय आत्मविश्वास ही तो है। आत्मविश्वास जगाकर आगे बढ़ें। सब लोग आत्मविश्वास से ही आगे बढ़ते हैं अतएव किसी व्यक्ति का खोया हुआ आत्मविश्वास लौटा देना उसकी सबसे बड़ी सेवा एवं सहायता है। हताश होना अथवा हताश करना अक्षम्य अपराध है। जहाँ आत्मविश्वास है तथा प्रभु पर विश्वास है, वहाँ चिन्ता और भय न रह सकेंगे। भक्तिभाव से ओत-प्रोत होकर कबीर कहते हैं-

उस समरथ को दास हौं, कदै न होय अकाज।

पतिबरता नांगी रहै, वाही पुरुस को लाज।।

ईश्वरभक्त का विश्वास है कि उसका अकाज नहीं हो सकता है, क्योंकि ईश्वर सर्वसमर्थ है, किंतु यदि कुछ हानि हो भी जाय तो वह ईश्वर का ही प्रसाद है। ईश्वर-विश्वास के प्रकाश में चिंता का अन्धकार लुप्त हो जाता है। धीरे-धीरे मस्ती को स्वभाव का अंग बना लें। मस्ती की आदत डाल लें। मस्त स्वभाव के बिना आप छोटी-छोटी बातों पर बड़ी चिन्ता करने लगेंगे, चिड़चिड़ें होकर लड़ने लेगेंगे, दु:खी रहने लगेंगे और रक्तचाप आदि के शिकार हो जायेंगे। कुछ लोग छोटी-सी मिट्टी की बमी पर ऐसे चढ़ते हैं, जैसे पर्वत पर चढ़ रहे हों। छोटी-सी बात पर ऐसी चिन्ता करते हैं, जैसे घोर संकट आ गया हो। मस्ती, प्रभु के प्रति भक्ति और मनुष्यों के प्रति अथाह प्रेम जगाने से स्वयं आविर्भूत हो जाती है। व्यर्थ ही निरन्तर गम्भीरता, गारिमा का भारी बोझ सिर पर उठाये हुए हम खिलखिलाकर हँसना भूल गये तथा बात-बात पर चिढ़ने लगे। चिढ़ानेवाला व्यक्ति दुष्ट और चिढ़नेवाला मूर्ख होता है। छोड़ो, छोड़ो चिढ़ना और चिढ़ाना। अपना लो हँसना और हँसाना। हास्य और विनोद को स्वभाव का अँग बना लो। कटुता का उत्तर मधुर भाषा में देना सीखकर आगे बढ़ें।

पढ़ाई को साथ-साथ काम करना चाहते है तो यह देश है बेस्ट

आज कल के बढ़ते पार्ट टाइम वर्क कल्चर को देखते हुए अब विदेश जाकर पढ़ना आसान हो गया है। कई स्टूडेंट्स क्लास के बाद पार्ट टाइम जॉब करना पसंद करते है। जिससे उनकी छोटी-मोटी जरूरतों का खर्च निकाला जा सके। भारत में भी यह ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन विदेशों में कई ऐसे यूनिवर्सिटी और संस्थान है जहां आप पढ़ते है वहीं संस्थान आपको पार्ट टाइम नौकरी की ऑफर देने लगे है।

बहुत सारे लोगों का सपना होता है कि वह विदेश जाकर पढ़ाई करें। लेकिन कई बार आर्थिक स्थिति को देखते हुए बहुत सारे लोग अपने इस सपने को पूरा नहीं कर पाते। लेकिन आज कल के बढ़ते पार्ट टाइम वर्क कल्चर को देखते हुए अब विदेश जाकर पढ़ना आसान हो गया है। कई स्टूडेंट्स क्लास के बाद पार्ट टाइम जॉब करना पसंद करते है। जिससे उनकी छोटी-मोटी जरूरतों का खर्च निकाला जा सके। भारत में भी यह ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन विदेशों में कई ऐसे यूनिवर्सिटी और संस्थान है जहां आप पढ़ते है वहीं संस्थान आपको पार्ट टाइम नौकरी की ऑफर देने लगे है। यूएस या दूसरें विकसित देशों में अर्न व्हाइल यू लर्न का केवल चलन ही नहीं हा बल्कि वहां के लोग इसे अहमियत भी देते हैं। अर्न व्हाइल यू लर्न का फायदा सिर्फ स्टूडेंट्स को ही नहीं हो रहा, इससे सीमित अवधि के लिए रोजगार देने वाले भी दोहरा लाभ कमा रहे हैं। यह ट्रेंड उन छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो रहा है, जो पढने के लिए विदेश का रुख करते हैं। इन देशों में अर्न व्हाइल यू लर्न का कॉन्सेप्ट

फ्रांस

यहां अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स को काम करने की इजाजत है, मगर शर्त यह है कि उनका संस्थान नेशनल स्टूडेंट हेल्थकेयर प्लान में शिरकत करता हो। फ्रेंच कानून के तहत स्टूडेंट्स को साल में 964 घंटे काम करने की छूट है।

जर्मनी

अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स, जो ईयू या ईईए देशों के बाहर के छात्र हैं, उन्हें साल में 120 फुल या 240 हाफ डे काम करने का मौका मिल जाता है। अगर कोई स्टूडेंट्स यहां निर्धारित काम के घंटों से अधिक काम करना चाहता है तो उसके लिए उसे संबंधित डिपार्टमेंट से इजाजत लेनी होती है। साथ ही यदि छात्र का कोर्स व कार्य की प्रकृति एक ही है तो उसे काम के असीमित घंटे मिलते हैं।

न्यूजीलैंड

यहां वेरिएशन ऑफ कंडीशन के तहत पढ़ाई करते हुए 20 घंटे प्रति सप्ताह तक काम करने की आजादी होती है, मगर उसके लिए उनकी कुछ शर्तों को मानना पड़ता है।

कनाडा

यहां अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कैम्पस में काम करने की पूरी छूट है, मगर ऑफ कैम्पस के लिए वर्क परमिट प्रोग्राम के अनुसार ही चलना पड़ता है। नियमित सैशन के दौरान जहां 20 घंटे प्रति सप्ताह काम किया जा सकता है, वहीं विंटर और समर ब्रेक के दौरान फुल टाइम काम करने की इजाजत होती है।

सिंगापुर

यहां अंतरराष्ट्रीय छात्रों को पढ़ाई के साथ या छुट्टियों में काम की इजाजत नहीं होती, लेकिन इसके लिए एम्प्लॉयमेंट ऑफ फॉरेन मैनपावर विभाग से वर्क पास की अनुमति ली जा सकती है। हालांकि कुछ स्कूल्स में 14 वर्ष से बड़े छात्रों को काम करने की छूट है।

यूनाइटेड किंगडम

बैचलर डिग्री और उससे ऊपर के छात्रों को प्रति सप्ताह 20 घंटे काम करने की इजाजत है। इसके अलावा छुट्टियों के दौरान फुलटाइम वर्क किया जा सकता है। वहीं बैचलर डिग्री से नीचे के छात्रों को सिर्फ 10 घंटे प्रति सप्ताह काम करने की इजाजत मिलती है।

आयरलैंड

ऐसे अंतरराष्ट्रीय छात्र, जो ईईए देशों से बाहर के हैं और जो यहां किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से कम से कम एक साल का पूर्णकालिक कोर्स कर रहे हैं, वे 20 घंटे प्रति सप्ताह तक का पार्ट टाइम रोजगार पा सकते हैं।

इटली

अगर किसी अंतरराष्ट्रीय छात्र के पास स्टडी वीजा है और इटली में रहते हुए उसे 90 दिन से अधिक हो चुके हैं तो ऐसी स्थिति में वह रेजिडेंस परमिट के लिए आवेदन कर सकता है। रेजिडेंस परमिट के बाद वह 20 घंटे प्रति सप्ताह की पार्ट टाइम जॉब कर सकता है।

स्विट्जरलैंड

यहां ईयू/ईएफटीए देशों से बाहर के अतरंराष्ट्रीय छात्रों के लिए 15 घंटे प्रति सप्ताह का रोजगार पाने की इजाजत है। पर यह जरूरी है कि उन्हें यहां रहते हुए कम से कम छह माह का न्यूनतम समय हो चुका हो। हालांकि पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए ऐसी कोई शर्त नहीं है।

यूनाइटेड स्टेट्स

अंतरराष्ट्रीय छात्र, जिन के पास एफ - 1 वीजा है, उन्हें ऑफ कैम्पस जॉब करने की इजाजत नहीं है। किसी खास केस में ही यह इजाजत मिलती है। एक साल के बाद यूएससीआईएस से काम करने की इजाजत मिल सकती है। यहां सिर्फ कैम्पस में 20 घंटे प्रति सप्ताह सैशन के समय और 40 घंटे प्रति सप्ताह छुट्टियों के दौरान काम करने के लिए इजाजत नहीं लेनी होती।

आस्ट्रेलिया

छात्रों को यहां अधिकतम 40 घंटे प्रति पखवाड़े तक काम करने से नहीं रोका जाता। वहीं छुट्टियों में काम करने के घंटों पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

कुछ यूं बनाएं अपनी वेबसाइट

तेजी से पंख फैलाते इंटरनेट का सहारा लेकर आज हर व्यक्ति अपनी पहुंच इंटरनेट की दुनिया में दर्ज कराने को बेताब नजर आता है। हर व्यक्ति की यही चाहत है कि उसका दायरा किसी सीमा के बंधन में कैद न रहे। सच ही तो है, आज नेट ने हमें भौगोलिक सीमाओं को लांघने का एक बेहतर जरिया उपलब्ध कराया है और साथ ही दी है वर्चुअल वर्ल्ड में उन्मुक्त विचरने की आजादी।

आजकल पर्सनल वेबसाइट बनाने का प्रचलन भी जोरों पर है। वेबसाइट आपको अवसर देती है अपने बारे में तमाम तरह की सूचनाओं को दूसरों तक पहुंचाने की। घर बैठे आपके बारे में तमाम सूचनाओं को एक्सेस करने की आजादी का इससे बेहतर जरिया और भला क्या हो सकता है। हालांकि इस काम के लिए ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स आदि का भी खूब इस्तेमाल किया जाता है, फिर भी आज के इस तकनीकी युग में पर्सनल वेबसाइट होना आपको दूसरों से अलग बनाता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि वेबसाइट बनाना अब कोई मुश्किल काम नहीं रहा। इंटरनेट पर कई ऐसे टूल्स हैं, जिनकी सहायता से चुटकियों में आप अपना वेब पेज डेवलप कर सकते हैं। क्या हुआ यदि आपको कंप्यूटर में महारथ हासिल नहीं है, प्रोग्रामिंग के आप पंडित नहीं हैं या फिर कोडिंग के नाम से ही आप डरने लगते हैं। प्रोफेशनल्स, रिसचर्स, स्टूडेंट्स आदि अपनी पर्सनल वेबसाइट बनाने में काफी रुचि दिखा रहे हैं। इसके माध्यम से आप न केवल वर्चुअल दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहते हैं, बल्कि अब तो एडवरटाइडिंग के जरिए पैसा कमाने का भी यह एक सोर्स बन गया है।

वेबसाइट आमतौर पर दो तरह की होती है- स्टैटिक और डायनॉमिक। स्टैटिक वेबसाइट का मतलब वैसी साइट से है, जो वन-वे होती है। यहां आप वेब पेजों को केवल पढ़ कर जानकारी ले सकते हैं। ये साइट्स नॉन-इंटरेक्टिव होती हैं और ये केवल स्टैटिक इंफॉर्मेशन ही प्रोवाइड कराती हैं, जो प्री-डिफाइन होती है। वैसे वेब पेज को एचटीएमएल (हाइपर टैक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज) की सहायता से तैयार किया जाता है। इसके विपरीत डायनॉमिक वेबसाइट इंटरेक्टिव होती है और विभिन्न क्राइटेरिया के अनुसार परिवर्तित होती रहती है। यहां आपको डाटाबेस से डायनामिक कंटेंट्स मिलता है और आप ताजा-तरीन (लेटेस्ट) इंफॉर्मेशन ले सकते हैं। वेबसाइट बनाने की प्रक्रिया में आपको डोमेन नेम/सब-डोमेन नेम और वेबसाइट होस्टिंग साइट की जरूरत पड़ती है। डोमेन नेम सिस्टम के आधार पर डोमेन नेम बनाया जाता है। इंटरनेट पर कई ऐसी वेबसाइट्स हैं, जो निःशुल्क सब-डोमेन प्रोवाइड करती हैं। आप गूगल सर्च की सहायता ले सकते हैं। www.hosting.com एक ऐसी ही वेबसाइट है, जहां आप अपनी वेबसाइट को होस्ट कर सकते हैं। इसके लिए आपको रजिस्ट्रेशन करवाना होगा और इस दौरान आपको अपना यूजरनेम, पासवर्ड, ई-मेल एड्रेस आदि एंटर करना पड़ेगा। किसी भी वेबसाइट होस्टिंग साइट का उपयोग करने से पहले उसके फीचर्स, क्राइटेरिया आदि को सही से समझ लें। डोमेन और यूआरएल के बारे में निर्णय कर लेने के बाद जो मुख्य काम है, वह है वेबसाइट का निर्माण। यहां आप विभिन्न वेब पेज डेवलप करते हैं, जो वेबसाइट का रूप लेते हैं। नेट पर विभिन्न वेब एडिटर्स हैं, जहां आप बिना कोडिंग किए ही आकर्षक और प्रोफेशनल वेब पेज बना सकते हैं। इन एडिटर्स में आपको संबंधित इंफॉर्मेशन एंटर करनी होती है। ड्रैग एंड ड्रॉप फीचर का भी आप उपयोग कर सकते हैं। इन एडिटर्स की सहायता से वेबसाइट डेवलप करते समय आप कलर, फोंट, स्टाइल, बैकग्राउंड, इमेज आदि पर विशेष ध्यान रखें, ताकि आपकी वेबसाइट आकर्षक दिखे। फ्रंट पेज यानी होम पेज को डिजाइन करते समय खास ध्यान दें। नेविगेशन पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। साथ ही, आप याद रखें किसी भी साइट का कंटेंट उस साइट की सफलता और लोकप्रियता में मुख्य भूमिका निभाता है। ऐसे में कंटेंट को दूसरों के लिए रोचक और उपयोगी बनाएं, ताकि लोग आपकी साइट के प्रति आकर्षित हों। वेबसाइट तैयार हो जाने पर अगला कदम होता है पब्लिशिंग यानी इंटरनेट पर इसे अपलोड करना। चुनी गई होस्टिंग साइट पर आप पर्सनल वेबसाइट को अपलोड कर सकते हैं और इस तरह आप अपनी वेबसाइट को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत कर सकते हैं। आप सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) द्वारा अपनी वेबसाइट को प्रमोट भी कर सकते हैं, ताकि जब भी सर्च इंजन में संबंधित सर्च किया जाए तो आपकी वेबसाइट भी सर्च लिस्ट में प्रदर्शित हो।

अपनाएं यह 5 तरीके जल्द मिलेगी नौकरी

जॉब मार्केट में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण जॉब मिलना सबसे ज्यादा मुश्किल काम हो गया है लेकिन अभी भी उन उम्मीदवारों को कहीं न कहीं बेहतर जॉब जरूर मिल जाती है जो योग्य होते हैं। लेकिन इतना जरुर है कि समय के साथ- साथ जॉब सर्च करने, टेस्ट और इंटरव्यू देने के तरीके भी बदल गए है। इसलिए इन बातों को जानना बहुत जरुरी है।

ऑनलाइन नेटवर्किंग

जॉब सर्च करने के लिए आप फेसबुक, लिंकडिन का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन यहां आपको थोड़ी होशियारी बरतनी होगी। अगर आप हमेशा दूसरों से खुद के बारे में बात करेंगे तो धीरे-धीरे लोग आपके प्रोफाइल पर ध्यान देना बंद करेंगे। ऑनलाइन नेटवर्किंग एक कॉकटेल की तरह है इसलिए इसका अपने फायदे में ध्यान से इस्तेमाल करें।

पर्सनल नेटवर्किंग

बहुत सारे लोग नेटवर्किंग को गलत मानते हैं मगर ऐसा नहीं है। लोगों से खुल कर बातें करें, अपने लक्ष्य तय करें। दूसरों से मिलने-जुलने के कारण आपके स्किल्स में सुधार भी आएंगे और समय आने पर मदद भी मिलेगी। नौकरी तलाशने में नेटवर्किंग का काफी अहम रोल होता है।

खुद को थोड़ा अलग रखें

जब आप जॉब के लिए अपना रिज्यूमे बना रहे हैं तो यह ध्यान रखें कि पुरानी घिसी-पिटी बातें जो सभी के रिज्यूमे में होती है, उसको फॉलो न करें। आप अपने रिज्यूमे में कुछ ऐसी बातें डालने की कोशिश करें जो आपको दूसरों से अलग बनाएं।

इंटरव्यू इंफॉर्मेशन

जब आप इंटरव्यू देने जाएं तो सिर्फ सवालों के जवाब न दें बल्कि अपनी आवश्यकतानुसार कुछ सवाल आप भी पूछ लें। जैसे कि इंटरव्यू लेने वाले का नाम क्या है? वे क्या करते हैं? इंटरव्यू देकर निकलें तो धन्यवाद कहना न भूलें।

इंटरव्यू में सीधी बात करें

इंटरव्यू में घुमावदार जवाब देने से बचें। सवालों का सीधा जवाब दें। अगर आपसे आपकी कमजोरी के बारे में पूछा जाए तो अपनी कमजोरी ही बताएं। कुछ लोग अपने को स्मार्ट दिखाने के चक्कर में कुछ ज्यादा ही बोल जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वे ज्यादा काम करने को अपनी कमजोरी बताने लगते हैं इसलिए ऐसे सवालों की तैयारी पहले से करें।

सेबी ने जारी की,980 पंजीकृत कंपनियों की सूची

नई दिल्ली । सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल, युटुब इत्यादि पर विज्ञापनों के माध्यम से ठगी की जा रही है। विज्ञापनो में मोटे मुनाफा का लालच देकर ग्राहकों को ठगा जा रहा है। निवेश के लिए कई फर्जी वेबसाइट बनाई गई हैं। ठगी करने के बाद यह वेबसाइट बंद हो जाती हैं। गृह मंत्रालय ने ठगी की इस कार्रवाई को रोकने के लिए एक नया सिस्टम तैयार किया है। जिसमें लोग यह जान सकेंगे, विज्ञापन में जो वेबसाइट बताई गई है। वह सही है या फर्जी है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर सेबी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर स्टॉक मार्केट में निवेश करने वाली सभी 980 रजिस्टर कंपनियों की जानकारी उपलब्ध करा दी है। गृह मंत्रालय ने लोगों को आगाह किया है। वह ठगी से बचने के लिए वेबसाइट पर जाकर रजिस्टर कंपनियों की जानकारी प्राप्त करें।

अमेजन ग्रेट फ्रीडम फे स्टिवल सेल जल्द होगी शुरू

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स साइट अमेजन जल्द ही अमेजन ग्रेट फें स्टिवल सेल की शुरुआत करने जा रहा है। इस सेल में ग्राहकों को 80 फीसदी तक की भारी छूट मिलेगी। फिलहाल सेल कब शुरू होगी, इसके बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है। अमेजन की ऑफिशियल साइट पर दिख रहे बैनर को देखकर कहा जा सकता है कि इस सेल में स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज पर ग्राहकों को लगभग 40 फीसदी की छूट मिलेगी। इसके अलावा नया इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट खरीदने पर 80 फीसदी तक का बंपर डिस्काउंट मिलेगा। अमेजन ने सेल के लिए स्टेंट बैंक ऑफ इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। अमेजन सेल के दौरान अगर आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया क्रेडिट कार्ड या फिर ईएमआई ट्रांजैक्शन के जरिए भुगतान करते हैं तो आपको 10 फीसदी की छूट का फायदा मिलेगा। सेल के दौरान ग्राहकों को सुविधा देने के लिए 24 महीने तक की नो कॉस्ट ईएमआई की सुविधा, 10 हजार रुपये तक के डिस्काउंट कूपन और 50 हजार रुपये तक के एक्सचेंज ऑफर्स का लाभ मिलेगा।

नवी फिनसर्व ने जेपी मॉर्गन के साथ प्रतिभूतिकरण सौदा किया पूरा

नई दिल्ली । नवी फिनसर्व ने जेपी मॉर्गन के साथ 3.8 करोड़ अमरीकी डॉलर (लगभग 315 करोड़ रुपये) का व्यक्तिगत ऋण प्रतिभूतिकरण सौदा पूरा कर लिया है। एनबीएफसी कंपनी ने एक बयान में कहा` कि पास-थ्रू सर्टिफिकेट (पीटीसी) के रूप में संरचित लेनदेन को असुरक्षित व्यक्तिगत ऋणों के एक समूह द्वारा समर्थित किया जाएगा, जिसकी शुरुआत तथा सेवा नवी फिनसर्व द्वारा की जाएगी। बयान में कहा गया है कि यह भारत में फिनटेक क्षेत्र में जेपी मॉर्गन का पहला पास-थ्रू सर्टिफिकेट लेनदेन है। साथ ही यह भारत में पहला असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण समर्थित पीटीसी लेनदेन है। नवी फिनसर्व ने कहा कि कंपनी इस धन का उपयोग अपने डिजिटल व्यक्तिगत ऋण कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए करेगा। भारत में डिजिटल ऋण देने में तेजी आ रही है और यह समग्र भारतीय फिनटेक बाजार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सेबी भेदिया कारोबार नियम एक नवंबर से लागू करेगा

नई दिल्ली । पूंजी बाजार नियामक सेबी संपत्ति प्रबंधन कंपनियों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भेदिया कारोबार नियम एक नवंबर से लागू करेगा। इसके लिए अधिसूचना जारी की गयी है। एक अधकारी ने कहा` कि सेबी ने मूल्य से संबद्ध अप्रकाशित संवेदनशील जानकारी तक पहुंच रखने वाले कर्मचारियों को नामित व्यक्तियों के रूप में चिन्हित किये जाने को अनिवार्य किया है। इसके जरिये सेबी भेदिया कारोबार को लेकर व्यवस्था का चाक-चौबंद बना रहा है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील जानकारी की गोपनीयता बनाये रखने और इसका लाभ उठाने को लेकर पर्याप्त प्रतिबंध लगाने पर जोर भेदिया कारोबार को रोकने के लिए सेबी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सेबी की एक अधिसूचना के अनुसार भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (भेदिया कारोबार निषेध) (संशोधित) नियमन, 2022 एक नवंबर, 2024 से अमल में आएगा। निदेशक मंडल ने इसकी मंजूरी दी है।

मारुति की ग्रैंड विटारा एसयूवी ने अपने नाम किया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

देश की वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी मारुति सुजुकी ने कारों की बिक्री में एक नया रिकॉर्ड हासिल किया है। कंपनी ने इस बात का ऐलान किया कि ग्रैंड विटारा ने 23 महीनों के वक्त में अपनी 2 लाख यूनिट्स की बिक्री करके रिकॉर्ड हासिल किया है। कंपनी का कहना है कि मिड साइज सेगमेंट में बिक्री का यह आंकड़ा किसी भी दूसरी कारों की तुलना में सबसे तेज आंकड़ा रहा है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि एसयूवी सेगमेंट में ग्रैंड विटारा की शुरूआत हमारे लिए सबसे खास रही है। ग्रैंड विटारा ने महज 23 महीनों में 2 लाख की बिक्री को पार किया है. जो दिखाती है कि ग्रैंड विटारा लोगों की कितनी पसंदीदा एसयूवी बन गई है। ग्रैंड विटारा ने स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड के साथ ग्राहकों को टिकाऊ विकल्प दिया है.ग्रैंड विटारा में 9 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, हेड-अप डिस्प्ले, 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस फोन चार्जर, पैनोरमिक सनरूफ, फ्रंट वेंटिलेटेड सीटें, प्रीमियम क्लेरियन साउंड सिस्टम, पीएम 2.5 एयर केबिन फिल्टर आदि जैसी कई सुविधाएं कंपनी ने दी है।

6 एयरबैग के साथ आने वाली पहली मारुति की कार है। साथ ही टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, हिल डिसेंट कंट्रोल और हिल होल्ड असिस्ट जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं। ग्रैंड विटारा की कीमत 10.99 लाख रुपये से शुरू होकर 19.93 लाख रुपये तक है। इसके स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड की कीमत 18.43 लाख रुपये हैं। वहीं सीएनजी मॉडल की कीमत 13.15 लाख रुपये है।

आईटीआर फाइलिंग की आखिरी तारीख आगे बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली । ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से असेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए आईटीआर फाइल करने की तारीख एक महीने बढ़ाकर 31 अगस्त करने की मांग की है। एक ज्ञापन में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स के अ धिका रियों ने कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्य भारी बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में आ गए हैं। ऐसे में वहां रहने वाले लाखों लोग अपना आयकर रिटर्न नहीं भर पाए हैं। इसके अलावा इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर भी काफी समस्याएं देखने को मिल रही है। जिसकी वजह से करदाता अपना रिटर्न फाइल नहीं कर सके हैं। ऐसे में आयकर रिटर्न फाइल करने की आ खिरी तारीख को एक महीने के लिए आगे बढ़ा दिया जाना चाहिए। हालांकि आयकर विभाग की ओर से रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख को आगे बढ़ाने के संदर्भ में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

जेएमएस गुरुग्राम में आवासीय परियोजना में 400 करोड़ निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

रियल्टी कंपनी जेएमएस ग्रुप ने कहा कि वह गुरुग्राम में एक समूह आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एक बयान के अनुसार कंपनी ने सेक्टर 95, न्यू गुरुग्राम में 8.65 एकड़ प्रमुख भूमि का अधिग्रहण किया है। कंपनी इस आवासीय परियोजना में लगभग 450 इकाइयों का विकास करेगी। जेएमएस ग्रुप ने कहा कि पूरी होने पर इस परियोजना से लगभग 1,000 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न होने का अनुमान है। कंपनी ने इस आवासीय परियोजना के निर्माण के लिए लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश आवंटित किया है। जेएमएस ग्रुप के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि कंपनी ने अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए यह भूमि अधिग्रहीत की है। सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से बाजार में उत्साह नहीं देखा गया। सुबह सेंसेक्स 112 अंक की गिरावट के साथ 81,243 जबकि निफ्टी 1.75 अंकों की मामूली तेजी के साथ 24,837 के स्तर पर खुला। प्री-ओपनिंग में बाजार हरे निशान पर था। दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 99.56 अंक तकरीबन 12 फीसदी बढ़कर 81,455 और 50 शेयरों वाला निफ्टी 21 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी ऊपर आकर 24,857 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 18 में तेजी और 12 में गिरावट देखने को मिली। वहीं निफ्टी के 50 शेयरों में से 27 में तेजी और 23 में गिरावट रही। ऑयल एंड गैस कंपनी के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गयी।

प्री-ओपनिंग में बाजार लाभ पर रहा। सुबह सीमित दायरे में कामकाज हुआ। अमेरिकी बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। डाओ जोंस 50 अंक नीचे आया जबकि नेसडेक और एसएंडपी 500 पर हल्की बढ़त दर्ज की गई। डाओ जोंस 0.12फीसदी गिरकर 40,539 पर बंद हुआ। नेसडेक 0.071 फीसदी की तेजी के साथ 17,370 के स्तर पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.081 फीसदी की तेजी रही।

वहीं एशियाई बाजार में आज गिरावट रही। जापान के निक्के केई में 0.96 फीसदी और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 1.17फीसदी की गिरावट है। वहीं, चीन के शंघाई कंपोजिट 0.48फीसदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,474.54 करोड़ के शेयर बेचे।

सेबी ने जारी की,980 पंजीकृत कंपनियों की सूची

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल, युटुब इत्यादि पर विज्ञापनों के माध्यम से ठगी की जा रही है। विज्ञापनो में मोटे मुनाफा का लालच देकर ग्राहकों को ठगा जा रहा है। निवेश के लिए कई फर्जी वेबसाइट बनाई गई हैं। ठगी करने के बाद यह वेबसाइट बंद हो जाती हैं।

गृह मंत्रालय ने ठगी की इस कार्रवाई को रोकने के लिए एक नया सिस्टम तैयार किया है। जिसमें लोग यह जान सकेंगे, विज्ञापन में जो वेबसाइट बताई गई है। वह सही है या फर्जी है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर सेबी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर स्टॉक मार्केट में निवेश करने वाली सभी 980 रजिस्टर कंपनियों की जानकारी उपलब्ध करा दी है। गृह मंत्रालय ने लोगों को आगाह किया है। वह ठगी से बचने के लिए वेबसाइट पर जाकर रजिस्टर कंपनियों की जानकारी प्राप्त करें।

स्लोवाकिया ने दी यूक्रेन को डीजल की आपूर्ति रोकने की धमकी

- यूक्रेन के माध्यम से स्लोवाकिया को लुकोइल से तेल की आपूर्ति पहले ही बंद हो चुकी है

प्राग ।

स्लोवाकिया ने कहा है कि अगर यूक्रेन के रास्ते स्लोवाकिया में रूसी तेल का पारगमन जल्द ही फिर से शुरू नहीं किया जाता है, तो स्लोवाक रिफाइनरी स्लोवनाफ्ट यूक्रेन को डीजल की आपूर्ति निलंबित कर देगी। गौरतलब है कि यूक्रेन ने हाल ही में रूसी कंपनी लुकोइल से ड्रुज़बा पाइपलाइन के माध्यम से स्लोवाकिया और हंगरी तक तेल के पारगमन को रोक दिया था। यूक्रेन ने` पिछले जून महीने में कंपनी को अपनी प्रतिबंध सूची में डाल दिया था। इसके बाद स्लोवाकिया के वित्त मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि यूक्रेन के माध्यम से स्लोवाकिया को लुकोइल से तेल की आपूर्ति पहले ही बंद हो चुकी है। स्लोवाकिया के के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने फेसबुक पर प्रकाशित एक वीडियो संदेश में कहा कि इस मूर्खतापूर्ण प्रतिबंध के आगे कार्यान्वयन से केवल यूक्रेन, स्लोवाकिया और हंगरी को नुकसान होगा। उन्होंने कहा` कि अगर यूक्रेन के माध्यम से रूसी तेल का पारगमन जल्द ही फिर से शुरू नहीं किया जाता है, तो स्लोवनाफ्ट यूक्रेन को डीजल की आपूर्ति बंद कर देगा। फिको ने टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान विवाद को हल करने के लिए अपने यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस श्म्यहाल को एक तकनीकी समाधान का प्रस्ताव दिया, जिसके बारे में उनके कार्यालय ने कहा कि इसमें स्लोवाकिया सहित कई देशों की भागीदारी की आवश्यकता होगी। उन्होंने सोमवार को वीडियो संदेश में कहा` कि स्लोवाकिया की ओर से मैं दोहराता हूं कि हम तैयार हैं। मैं उन रिपोर्टों का स्वागत करता हूं जो पुष्टि करती हैं कि संबंधित वाणिज्यिक कंपनियां पहले से ही इस तकनीकी समाधान को कम से कम समय में लागू करने के तरीके पर विचार कर रही हैं। स्लोवाकिया के विदेश एवं यूरोपीय मामलों के मंत्री जुराज ब्लानार ने स्लोवाकिया में हंगरी के राजदूत कसाबा बालोग के साथ एक बैठक के बाद कहा कि दोनों देशों ने संयुक्त रूप से बाधित तेल आपूर्ति के संबंध में यूरोपीय आयोग से तत्काल कार्रवाई की अपील की है।

कच्चा तेल 80 डॉलर, पेट्रोल-डीजल के भाव नहीं बदले

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.41 डॉलर की गिरावट के साथ 79.37 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.44 डॉलर फिसलकर 75.37 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

वीवीआईपी इंफ्राटेक के शेयर पर लगा अपर सर्किट

मुंबई ।

इंफ्रा कंपनी वीवीआईपी इंफ्राटेक के शेयरों की बीएसई एसएमई पर शेयरों की शुरुआत 176.70 रुपए पर हुई, जिससे आईपीओ निवेशकों को 90 फीसदी का लिस्टिंग गेन प्राप्त हुआ। लिस्टिंग के बाद शेयरों की कीमत और बढ़ी और 185.53 रुपए पर अपर सर्किट पर पहुंच गई, जिससे आईपीओ निवेशक अब 99.49 फीसदी मुनाफे में हैं। वीवीआईपी इंफ्राटेक का 61.21 करोड़ का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 23-25 जुलाई तक खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पांस मिला था और ओवरऑल यह 236.92 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित हिस्सा 168.45 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का हिस्सा 456.82 गुना और खुदरा निवेशकों का हिस्सा 181.73 गुना भरा था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 65.82 लाख नए शेयर जारी हुए हैं। इन शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसों का उपयोग कंपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों, आम कॉरपोरेट उद्देश्यों और इश्यू से जुड़े खर्चों को भरने में करेगी। वर्ष 2001 में बनी वीवीआईपी इंफ्राटेक इंफ्रा कंपनी है। इसका कारोबार यूपी, उत्तराखंड, दिल्ली-एनसीआर और देश के बाकी उत्तरी हिस्सों में फैला हुआ है। ह सीवेज, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स, वाटर टैंक्स, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, सेक्टर डेवलपमेंट वर्क्स, पावर डिस्ट्रीब्यूशन और सबस्टेशन इत्यादि के प्रोजेक्ट पर काम करती है।

देश में बिजली उत्पादन क्षमता 10 साल में 80 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

देश में कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता पिछले 10 साल में करीब 80 प्रतिशत बढ़कर जून 2024 तक 4,46,190 मेगावाट हो गई। बिजली राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मार्च 2014 में स्थापित क्षमता 2,48,554 मेगावाट थी, जो जून, 2024 तक बढ़कर 4,46,190 मेगावाट हो गई। कोयला आधारित बिजली की स्थापित क्षमता मार्च 2014 में 1,39,663 मेगावाट थी। इस साल जून में बढ़कर 2,10,969 मेगावाट हो गई। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की स्थापित क्षमता मार्च 2014 में 75,519 मेगावाट थी जो जून 2024 में 1,95,013 मेगावाट हो गई। मंत्री ने कहा कि भारत का ग्रिड दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत ग्रिड में से एक के रूप में उभरा है और पूरे देश को एक ग्रिड में जोड़ने से देश एक एकीकृत बिजली बाजार में बदल गया है।

सोना बढ़कर 68,738 रुपए, चांदी 81,523 रुपए

नई दिल्ली ।

सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव 0.16 फीसदी की तेजी के साथ 68,738 रुपए प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी का वायदा भाव 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ 81,523 रुपए प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को एमसीएक्स पर सोने के भाव 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 68565 पर और चांदी की कीमत 0.11 फीसदी गिरकर 81200 पर बंद हुई थी। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 74,471 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के चलते दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 950 रुपए की गिरावट के साथ 71,050 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। चांदी का भाव भी 4,500 रुपए औंधे मुंह लुढ़ककर 84,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गया। यह 2024 में चांदी की कीमतों में किसी एक कारोबारी दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट है। पिछले सत्र में यह 89,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सिक्का निर्माताओं और औद्योगिक इकाइयों के कमजोर उठान के कारण चांदी में गिरावट आई। कारोबारियों ने कहा कि बाजार में आभूषण विक्रेताओं के साथ-साथ खुदरा लिवालों की मांग घटने से सोने की कीमतों में गिरावट आई।

25 किमी स्पीड वाले ईवी वाहनों के लिए लायसेंस जरुरी नही

नई दिल्ली।

क्या आपको मालूम है कि कुछ इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स ऐसी होती हैं, जिन्हें चलाने के लिए लाइसेंस की जरूरत नहीं होती है। वास्तव में देश में सरकार ईवी को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। इसी के चलते इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के लिए भी कुछ नियम बनाए गए हैं। ये जरूर है कि आप हर ईवी को बिना लाइसेंस नहीं चला सकते। साथ ही बिना ड्राइविंग लाइसेंस गाड़ी चलाने के मामले में कुछ शर्तें भी जुड़ी हैं। मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे के नियम के मुताबिक जिन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की टॉप स्पीड 25 किमी प्रति घंटा होती है। उनको सड़क पर चलाने के लिए किसी तरह के ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होती।साफ है कि अगर आप 25 किमी प्रति घंटा की मैक्सिमम टॉप स्पीड वाली इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर खरीदते हैं तो आपको कभी ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत नहीं पड़ेगी और ओवर स्पीडिंग के लिए चालान नहीं भरना होगा। ऐसे में अगर पुलिस आपको पकड़ भी ले तो आपको केवल उन्हें सारी जानकारी देनी होगी। बता दें कि टू-व्हीलर चलानी हो या फोर-व्हीलर सभी के लिए भारत में कानून के तहत ड्राइविंग लाइसेंस का होना जरूरी होता है।

लाइसेंस इस बात कि तस्दीक करता है कि सामने वाले शख्स के पास कानूनी तौर पर व्हीकल को चलाने की मंजूरी दी गई है। पुलिस द्वारा क्रॉस चेक करने पर अगर आपके पास वैलिड लाइसेंस न मिले तो आप पर कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस आप से 5,000 रुपये तक जुर्माना वसूल सकती है।

पेरिस ओलंपिक :मनु भाकर ने रचा इतिहास, एक ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय शूटर मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 में इतिहास रच दिया है। वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उन्होंने मंगलवार सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भाकर और सरबजोत ने ली वोनहो और ओह ये जिन के खिलाफ 16-10 के स्कोर से पदक अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया था। इससे पहले ब्रिटिश-भारतीय एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर स्प्रिंट और 200 मीटर बाधा दौड़ में दो रजत पदक जीते थे।

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा मुकाबला

पहले प्रयास में सरबजोत के पहले शॉट 8.6 और मनु भाकर के 10.5 ने मिलकर 18.8 अंक बनाए, जबकि कोरिया के संयुक्त अंक 20.5 रहे।

सरबजोत और मनु ने दूसरे राउंड में कोरिया के 19.9 अंकों की तुलना में 21.2 अंकों के साथ खुद को साबित किया।

भारत का संयुक्त स्कोर 20.7 रहा जबकि कोरिया का 20.5 रहा। भारत लगातार तीसरी श्रृंखला में भी हावी रहा।

मनु भाकर ने यहां शानदार प्रदर्शन किया और 10.5 शॉट के साथ भारत के कुल अंक 20.1 हो गए। दूसरी ओर कोरिया के 19.5 अंक रहे।

कोरिया ने 20.6 अंक के साथ वापसी की है जबकि भारत के 20.2 अंक हैं।

भारत ने 18.5 अंकों के साथ आठवीं सीरीज समाप्त की, जबकि कोरिया ने 20.7 अंकों के साथ वापसी की।

मनु भाकर के 10.2 शॉट की बदौलत भारत ने कोरिया पर 12-6 की बढ़त के साथ अपनी आठवीं सीरीज समाप्त की। सबसे पहले 16 अंक हासिल करने वाली टीम को कांस्य पदक मिलेगा।

भारत 11वीं श्रृंखला हार गया, लेकिन अगली श्रृंखला जीतने पर जीत की ओर अग्रसर होगा।

कोरिया ने लगातार दो श्रृंखलाएं जीतकर भारत के 20.8 के मुकाबले 21 अंक प्राप्त कर लिए हैं।

भारत को कांस्य पदक, सरबजोत सिंह और मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल कांस्य पदक राउंड जीता।

10 मीटर एयर पिस्टल एकल स्पर्धा मुकाबला

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में 28 जुलाई को भारत को पहला पदक दिलाते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने 221.7 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। हालांकि एक समय वह सिल्वर की

दावेदार लग रही थी लेकिन अंतिम समय में कोरियाई शूटर किम येजी ने उन पर बढ़त हासिल कर ली। किम येजी ने 241.3 के स्कोर के साथ सिल्वर जीता। वहीं पहले स्थान पर एक अन्य कोरियाई शूटर ओ ये जिन रही, जिन्होंने 243.2 के साथ रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड अपने नाम किया।

पेरिस ओलंपिक: तीरंदाज भजन कौर अंतिम 16 में पहुंची, अंकिता का सफर खत्म

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज भजन कौर ओलंपिक के महिला एकल वर्ग में मंगलवार को यहां पोलैंड की वियोलेटा मैसजोर पर 6-0 की शानदार जीत के साथ अंतिम 16 चरण में पहुंचने में सफल रही। भजन ने अंतिम 32 दौर में मैसजोर को हराने के साथ अंकित भकत की हार का बदला चुकता किया। पोलैंड की इस तीरंदाज ने इससे पहले अंतिम 64 चरण के मैच में अंकित को 6-4 से हराया था।

भजन ने दिन के अपने शुरुआती मैच में इंडोनेशिया की साइफा नूरफीफा कमाल को 7-3 से शिकस्त देने के बाद वियोलेटा के खिलाफ अपनी लय जारी रखते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। भजन ने वियोलेट के खिलाफ पहले सेट और तीसरे सेट में 10 अंक वाले एक-एक और दूसरे सेट में दो निशाने लगाकर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने 28-23, 29-26, 28-22 से आसान जीत दर्ज की।

इससे पहले अंतिम 64 चरण में भजन ने शुरुआती सेट में साइफा के साथ अंक साझा किये जबकि इंडोनेशिया की तीरंदाज ने दूसरे सेट को जीतकर भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। क्वालीफिकेशन में 22वें स्थान पर रहने वाली भजन ने इसके बाद दबाव में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने तीसरे सेट में अच्छी वापसी करते हुए 10-10 के दो निशाने के साथ 29 का स्कोर किया। भजन ने चौथे सेट में साइफा के 25 के मुकाबले 27 अंक जुटाकर 5-3 की बढ़त बनायी और फिर आखिरी सेट में 25 के मुकाबले 28 अंक बनाकर जीत पक्की कर ली।

पेरिस ओलंपिक: मनिका टेटे से अंतिम 16 में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस (ईएमएस)। भारत की मनिका बत्रा पेरिस ओलंपिक खेलों की टेबल टेनिस स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। इसी के साथ ही मनिका ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। वह टेबल टेनिस के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बन गयी हैं। मनिका ने अंतिम 32 मुकाबले में फ्रांस की 12वीं वरीयता प्राप्त प्रीथिका पवाडे को सीधे गेमों में हराया।

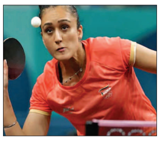

18वीं वरीयता प्राप्त मनिका ने आधे घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में आसानी से 11-9, 11-6, 11-9, 11-7 से जीत हासिल की। इसी के साथ ही वह ओलंपिक टेबल टेनिस के अंतिम-16 में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। मनिका का पहले गेम में मुकाबला करीबी रहा। मनिका ने अंतिम तीन अंक अपने नाम कर इसे 11-9 से जीता। वहीं दूसरे गेम की शुरुआत में भी मुकाबला काफी करीबी रहा पर 6-6 की बराबरी के बाद मनिका ने प्रीथिका को कोई अवसर नहीं दिया और 11-6 से वह जीत गई। मनिका ने तीसरे गेम में भी लय जारी रखते हुए पांच अंक की बढ़त बनाई पर प्रीथिका ने लगातार चार अंक हासिल कर स्कोर को 9-10 कर दिया। प्रीथिका दबाव में गेंद को नेट पर खेल गयी और मनिका ने 11-9 से इस गेम को जीत लिया। मनिका ने चौके गेम में 6-2 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत को 10-4 में बदल कर छह मैच अंक हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पेरिस ओलंपिक : भारतीय हॉकी टीम ने आयरलैंड को हराया, पूल बी में हासिल किया शीर्ष स्थान

पेरिस (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और गोलकीपर पी आर श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए आयरलैंड को 2-0 से हराया। भारत अब दो अगस्त को आस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारत ने इस जीत के साथ ही 6 टीमों के पूल बी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। इससे पहले भारत ने अर्जेंटीना के खिलाफ ड्रॉ और न्यूज़ीलैंड को 3-2 से हराया था। शीर्ष 4 टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई करती हैं।

पिछले मैच में औसत प्रदर्शन करने वाले अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह ने आज बेहतरीन खेल दिखाया और कई अच्छे मूव बनाए। भारत ने पहली बार पहले क्वार्टर में गोल

करके बढ़त बनाई जबकि पिछले दो मैचों में पहला गोल विरोधी टीम ने किया था। इस जीत के बावजूद पेनल्टी कॉर्नर गंवाने की भारत की कमजोरी तीसरे क्वार्टर में फिर उजागर हुई। पहले दो मैचों में 13 पेनल्टी कॉर्नर गंवाने वाली भारतीय टीम ने हाफटाइम तक एक भी पेनल्टी कॉर्नर नहीं गंवाया लेकिन तीसरे क्वार्टर में आठ पेनल्टी कॉर्नर गंवाए जिसने गोलकीपर श्रीजेश को व्यस्त रखा।

आयरलैंड को इस मैच में 10 और भारत को नौ पेनल्टी कॉर्नर और एक स्ट्रोक मिला। अगले दोनों मैच भारत को मौजूदा चैम्पियन बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीमों से खेलने हैं और उससे पहले कोच फुल्टोन को इस कमजोर कड़ी को कसना होगा। पिछले साल भारतीय टीम से जुड़े फुल्टोन आयरलैंड टीम के पूर्व कोच रहे हैं। इसके अलावा 19वें मिनट के बाद भारतीय टीम भी कोई गोल नहीं कर सकी। पेनल्टी कॉर्नर और फील्ड गोल नहीं कर पाने का खामियाजा आगे कठिन मैचों में भुगतना पड़ सकता है। भारतीय टीम ने आक्रामक शुरूआत की और दूसरे ही मिनट में उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला हालांकि हरमनप्रीत इसे गोल में नहीं बदल सके। पहले क्वार्टर में ही 11वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे गोल में बदलने में हरमनप्रीत ने चूक नहीं की। पहले क्वार्टर में आयरलैंड की टीम भारतीय गोल पर हमले बोलने में नाकाम रही।

2036 ओलंपिक भारत में ही होंगे : नीता अंबानी

मुम्बई । रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष व अंतर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति (आईओसी.) में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि नीता अंबानी ने कहा है कि भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। नीता ने ओलंपिक में भारत के पहले कंट्री हाउस (इंडिया हाउस) का उद्घाटन भी किया था। उन्होंने कहा कि 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी भारत ही करेगा। नीता ने कहा कि ऐसा वहीं नहीं बल्कि 1.4 अरब भारतीय भी चाहते हैं। नीता के नेतृत्व में ही पेरिस ओलंपिक इतिहास में पहली बार भारत का कंट्री हाउस बना है। इंडिया हाउस, पेरिस ओलम्पिक में पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों, समर्थकों व दर्शकों के लिए एक घर की तरह है। नीता का लक्ष्य भारत सहित दुनिया भर में ओलंपिक अभियान को आगे बढ़ाना है। आईओसी के सदस्य के तौर पर नीता युवा पीढ़ी और खेल जगत से जुड़े लोगों को प्रोत्साहित करते नजर आ रही हैं। नीता का खेल जगत में प्रोत्साहन, वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। नीता , भारती संस्कृति और छवि को पूरी दुनिया में आगे बढ़ाना चाहता है। उनकी ये पहल भारत को खेल जगत में एक नई दिशा में ले जा रही है। कॉर्पोरेट जगत से जुड़ी नामी हस्तियों के खेल जगत से जुड़ने से युवा खिलाड़ियों को लाभ हो रहा है।

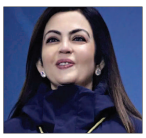

बोपन्ना ने ओलंपिक में हार के साथ ही खेल से संन्यास लिया

पेरिस । भारत के सबसे अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने ओलंपिक पुरुष युगल के पहले दौर में हार के बाद खेल से संन्यास की घोषणा कर दी। 43 साल के बोपन्ना और उनके जोड़ीदार श्रीराम बालाजी की जोड़ी को फ्रांसीसी जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। बोपन्ना ने कहा कि मैंने देश के लिए अपने करियर का अंतिम मैच खेल लिया है हालांकि मैं जीत के साथ अलविदा कहना चाहता था पर वैसा नहीं हो पाया। बोपन्ना और बालाजी को एडवर्ड रोजर वासेलिन और गेल मोनफिल्स की फ्रांसीसी जोड़ी ने 5-7, 2-6 से हराया था। इससे भारत के ओलंपिक पदक जीतने की उम्मीदें फिर टूट गयी। भारत की ओर से अंतिम बार पेस ने अटलांटा ओलंपिक के पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था। उसके बाद से ही भारत अब तक कोई पदक नहीं जीत पाया है। बोपन्ना साल 2016 में सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल में पदक के करीब पहुंचे थे पर यहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।बोपन्ना ने कहा कि वह 2026 एशियाई खेलों में शामिल नहीं होंगे और कहा कि ओलंपिक के साथ ही मैंने रिटायरमेंट ले लिया है। ये मेरा आखिरी टूर्नामेंट था। मैं पूरी तरह से समझता हूं कि मैं किस स्थिति में हूं। मैं अब जब खेल सकूंगा तब टेनिस का आनंद उठाउंगा। उन्होंने पहले ही डेविस कप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। साथ ही कहा कि मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं दो दशकों तक भारत की ओर से खेलूंगा। मैंने 2002 में करियर की शुरुआत की थी और 22 साल बाद भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला ये मेरे लिए गर्व की बात है।

ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना एक युग की शुरुआत होगा: द्रविड़

-किसी भी भूमिका में शामिल रहना चाहूंगा

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड़ साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किए जाने को लेकर उत्साहित हैं। द्रविड़ ने कहा कि ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना अभूतपूर्व उपलब्धि है। एक कार्यक्रम में उन्होंने इसे एक युग की शुरुआत बताया है। द्रविड़ ने ये भी कहा कि वह भी 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट के साथ किसी भी भूमिका में शामिल होना चाहेंगे।

द्रविड़ ने ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने पर कहा, मुझे हमेशा से लगता था कि क्रिकेट को इसका हिस्सा होना चाहिए। यह वास्तव में एक महान खेल है। दुनिया भर में बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं। यह मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए शानदार है जो अब केवल एक प्रशंसक है। यह वास्तव में अभूतपूर्व है। द्रविड़ ने पूर्व अमेरिकी ट्रैक एवं फील्ड एथलीट कार्ल लुईस को टेलीविजन पर पदक जीतते हुए देखने की अपनी यादें ताजा की, जिनके नाम 9 ओलंपिक स्वर्ण पदक हैं। द्रविड़ ने अमेरिका में क्रिकेट के प्रति जुनून के बारे में भी बताया और कहा कि उन्हें ये देखकर खुशी हुई। द्रविड़ के साथ इस कार्यक्रम में आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस, ड्रीम स्पोर्ट्स के सीईओ और को-फाउंडर हर्ष जैन भी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम इंडिया हाउस पार्क ऑफ नेशंस में पार्क डे ला विलेट में हुआ। पेरिस ओलंपिक 2024 के दौरान ये पहली बार है जब इंडिया हाउस की शुरुआत हुई है। पेरिस खेलों में इंडिया हाउस दुनिया भर के प्रशंसकों, वैश्विक खेल जगत के प्रमुख हितधारकों, भारतीय यात्रियों, मीडिया और एथलीटों के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करता है।

पेरिस ओलंपिक : मिस्र की तलवारबाज का खुलासा, सात महीने की हैं गर्भवती

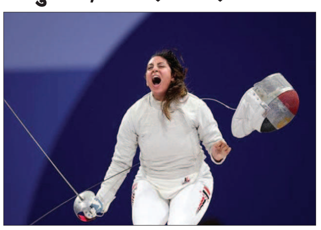

पेरिस । मिस्र की तलवारबाज नदा हाफेज ने पेरिस ओलंपिक की तलवारबाजी स्पर्धा में हिस्सा लेने के बाद खुलासा किया कि वह सात महीने गर्भवती हैं। सोमवार को महिलाओं की सेबर स्पर्धा में राउंड 16 में पहुंचने के कुछ घंटो बाद हाफेज ने अपने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया कि 'उनके गर्भ में एक लिटिल ओलंपियन' पल रहा है। कैरो की 26 साल की तलवारबाज ने अमेरिका की एलिजाबेथ टार्टाकोवस्की को हराकर उलटफेर किया लेकिन इसके बाद कोरिया की जियोन हेयंग से हार गईं। हाफेज ने लिखा, 'मेरे बच्चे और मैंने अपनी चुनौतियों का सामना किया, भले ही ये शारीरिक और भावनात्मक हों।' उन्होंने कहा, 'गर्भावस्था खुद में इतनी कठिन यात्रा है, लेकिन जिंदगी और खेल के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए संघर्ष करना बहुत मुश्किल था। मैं यह पोस्ट यह बताने के लिए लिख रही हूं कि राउंड 16 में अपनी जगह पक्की करने के बाद मुझे गर्व महसूस हो रहा है।' मेडिसिन में डिग्री हासिल कर चुकी हाफेज एक पूर्व जिमनास्ट है और तीन बार की ओलंपियन हैं जिन्होंने 2019 अफ्रीकी खेलों में व्यक्तिगत और टीम सेबर स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते थे।

अर्जुन बबूता के पदक नहीं जीत पाने से निराश हैं कोच दीपाली

-2025 से उसका दौर शुरु होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बबूता की कोच दीपाली देशपांडे भी उसके पदक हासिल नहीं कर पाने से निराश है। बबूता पेरिस ओलंपिक खेलों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहने के साथ ही मामूली अंतर से पदक हासिल नहीं कर पाये थे। दीपाली के अनुसार अर्जुन बेहद मेहनती है और आने वाले साल 2025 में उसका युग शुरु होगा। दीपाली के अनुसार पदक के बेहद करीब पहुंचकर भी भारी दबाव हावी होने से अर्जुन के हाथ से मुकाबला फिसल गया। दीपाली के अनुसार वह अर्जुन को तब से ट्रेनिंग दे रही हैं जब वह 16 साल का था। साल2015 में जसपाल राणा के साथ जूनियर कोचिंग टीम का हिस्सा रही दीपाली को भरोसा है कि अर्जुन शीघ्र ही इस झटके से उबर जाएगा और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक को लक्ष्य बनाएगा। साथ ही कहा कि

वह पेरिस के पास शेटराउ निशानेबाजी रेंज में होने वाले घटनाक्रमों से प्रेरित होगा। अर्जुन एक समय रजत पदक जीतने की स्थिति में था पर घबराहट में उससे गलती हो गयी। दीपाली के अनुसार उसने पिछले नौ साल में अर्जुन को बेहतर होते देखा है।

दीपाली ने कहा कि वह काफी कठिन दौर से भी गुजरा है। पीठ में चोट के कारण ही वह टोक्यो ओलंपिक के लिए जगह नहीं बना पाया था। निशानेबाजी के दौरान वह 2 बार रेंज में गिर गया था क्योंकि उसके पैर सुन्न हो जाते थे। उस समय उसे पूरी तरह से आराम करने की सलाह दी गई थी तब भी उन्हें उसकी क्षमताओं पर भरोसा था। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी ने उसे आराम करने और ठीक होने का समय दिया।

दीपाली ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए भी मुश्किल था और मैंने उसे फाइनल में दूसरे से चौथे स्थान पर आते देख अपना फोन फेंक दिया। मुझे पता है कि मैंने उसके जूनियर दिनों के दौरान उसके साथ कितनी मेहनत की है और चोट के दौर से गुजरने में उसकी कितनी मदद की है। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों में से एक है जो फाइनल में लगातार 10.8 अंक बना सकता है और मुझे भरोसा है कि उसका युग 2025 में शुरू होगा। अर्जुन ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा से प्रभावित था।

ओलंपिक उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों को खराब गुणवत्ता वाली ड्रेस दी गयी : ज्वाला गुट्टा

पेरिस । पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में शामिल खिलाड़ियों को जो कपड़े दिया गये थे वह खराब स्तर के थे। गुट्टा ने कहा कि ये निराशाजनक है कि ओलंपिक जैसे इवेंट में इस प्रकार की लापरवाही हई है। गुट्टा के अनुसार इससे खिलाड़ी भी निराश हैं। गुट्टा ने कहा कि जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं। उनकी आलोचना होनी चाहिये। साथ ही कहा कि बिना विचार के ये सारा काम हुआ है। ये भी नहीं देखा गया कि खिलाड़ियों को जो कपड़े दिये जा रहे हैं वह इस स्तर के हैं कि नहीं। साथ ही कहा कि जब डिजाइनर की घोषणा की गई थी, तो मुझे उनसे बहुत उम्मीदें थीं पर अब निराशा हुई है। सबसे पहले, सभी लड़कियों को साड़ी पहनना नहीं आता। ऐसे में डिजाइनर को प्री ड्रेप्ड साड़ी उपलब्ध करानी थी। इससे खिलाड़ियों को परेशानी हुई। कपड़ों की फिटिंग भी ठीक नहीं थी। उन्होंने साथ ही कहा कि कपड़ों का रंग और प्रिंट भी हमारे अनुकुल नहीं था। डिजाइनर के पास कढ़ाई या हाथ से पेंट के माध्यम से हमारी संस्कृति की कला को प्रदर्शित करने का अवसर था पर ऐसा नहीं हुआ। मुझे उम्मीद है कि खेल परिवार हमारे खिलाड़ियों की कोर्ट और ऑफ कोर्ट पर गुणवत्ता से समझौता करना बंद कर देगा। ज्वाला के अलावा खेल प्रशंसकों ने भी खिलाड़ियों को उपलब्ध ड्रेस पर नाराजगी जतायी है।

मोर्ने मोर्कल बन सकते हैं टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच, इस सीरीज से संभाल सकते हैं कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर ने टीम इंडिया के हेड कोच का पद श्रीलंका दौरे से पहले ही ग्रहण कर लिया था। लेकिन टीम के गेंदबाजी कोच कौन होंगे इस पर अभी भी फैसला आना है। हालांकि, क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेदंबाज मोर्ने मोर्कल को भारतीय टीम का गेंदबाजी कोच बनाया जा सकता है। मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में जुड़ सकते हैं।

मौजूदा समय में भारतीय टीम के साथ साईराज बहुतुले श्रीलंका दौरे पर हैं और अंतरिम गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर रहे हैं। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक उनका मुख्य गेंदबाजी कोच बनना निश्चित नहीं लग रहा है। बहुतुले स्पिन गेंदबाज रहे हैं और उन्हें लेकर कुछ भी साफ नहीं है तो वहीं मोर्कल तेज गेंदबाज रहे हैं और अगर वो भारतीय टीम के बॉलिंग कोच बनते हैं तो फिर टीम इंडिया को एक स्पिन कोच की भी जरूरत पड़ सकती है। वैसे श्रीलंका में चल रही क्रिकेट सीरीज के दौरान भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ता टीम के मौजूदा कोचिंग टीम का मूल्यांकन करेंगे और फिर उन्हें लेकर फैसला किया जाएगा ऐसे में बहुतुले की भूमिका को लेकर बी निश्चितता दिख रही है।

वैसे साईराज बहुतुले अगर अपने पद पर बने रहते हैं तो गौतम गंभीर की अगुवाई वाले भारतीय कोचिंग स्टाफ में 6 सदस्य होंगे। टीम के हेड कोच गंभीर होंगे जबकि सहायक कोच के रूप में अभिषेक नायर और रयान टेन डोशेट, तेज गेंदबाजी कोच के रूप में मोर्केल, फील्डिंग कोच के रूप में टी दिलीप और स्पिन गेदंबाजी कोच के रूप में बहुतुले होंगे। 39 साल के मोर्कल तेज गेदंबाज रहे हैं और उन्हें स्पिन को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं है। ऐसे में भारत को एक स्पिन कोच की जरूरत होगी।

जिला कलक्टर डॉ. सौरभ पारघी ने जिला स्तर पर राष्ट्रीय दिवस समारोह के आयोजन के संबंध में उपयोगी मार्गदर्शन दिया

सूरत।

15 अगस्त को बारडोली तालुका के ताजपोर इंजीनियरिंग कॉलेज के पटांगन में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह के संबंध में जिला कलेक्टर डॉ. बैठक का संचालन एवं उपयोगी मार्गदर्शन सौरभ पारघी ने किया।

बैठक में कलेक्टर ने राष्ट्रीय दिवस के आयोजन की सभी तैयारियां समय-सीमा में सुनिश्चित करने के लिए विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने सभी अधिकारियों को एक-दूसरे के साथ आपसी समन्वय बनाकर काम करने को कहा.

जिला कलक्टर ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल समापन के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से गठित विभिन्न समितियों एवं उनकी कार्यप्रणाली के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि समितियों को दिये गये कार्य गंभीरता से किये जायें।

इसके अलावा उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर सभागार, मंच, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग की सुविधा, निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा विद्युत आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया.

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगान बजाने के लिए पुलिस बैंड और राज्य स्तर से उपस्थित मंत्री के भाषण के लिए उपयुक्त ध्वनि प्रणाली ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि देशभक्ति को दर्शाने वाली सांस्कृतिक कृतियां प्रस्तुत की जाएंगी और यह भी उम्मीद जताई कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले नागरिकों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की जाएगी. साथ ही उन्होंने सम्मानित किये जाने वाले व्यक्तियों की सूची भी समय सीमा में तैयार करने के निर्देश दिये।

बैठक का संचालन स्थानीय अपर कलेक्टर विजय रबारी ने किया. जिला पुलिस प्रमुख हितेश जोयसर, प्रायोजन प्रशासक रामनिवास बुगालिया, मांडवी प्रांत कौशिक जादव, बारडोली प्रांत जिजनाबेन परमार, कार्यकारी अभियंता मनीषभाई पटेल, मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी अनिलभाई पटेल, प्राथमिक शिक्षा अधिकारी जयेशभाई पटेल, उप सूचना निदेशक उमेशभाई बाविसा, अन्य वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में जिले के लोग मौजूद रहे।

FY25 की पहली तिमाही में DFC फर्स्ट बैंक पैट रु. 681 करोड़, कोर ऑपरेटिंग प्रॉफिट सालाना आधार पर 30.2% बढ़ा

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के निदेशक मंडल ने आज अपनी बैठक में 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी।

जमा और उधार

- बैंक की वार्षिक कुल जमा राशि रु. इसमें 35.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. 30 जून, 2023 को 1,54,427 करोड़ रु. 30 जून, 2024 तक 2,09,666 करोड़।
- वार्षिक ग्राहक जमा राशि इसमें 37.8% की बढ़ोतरी हुई है. 30 जून, 2023 को 1,48,474 करोड़ से 30 जून, 2024 तक 2,04,572 करोड़ हो गया।
- CASA जमा में सालाना आधार पर 36.1% की वृद्धि हुई है। 30 जून, 2023 को 71,765 करोड़ से 30 जून, 2024 तक 97,692 करोड़ हो गया।
- 30 जून 2024 को CAS अनुपात 46.6% था।
- सालाना खुदरा जमा में रु. इसमें 43.5% की बढ़ोतरी हुई है. 30 जून, 2023 को 1,14,272 करोड़ से 30 जून, 2024 तक 1,64,001 करोड़ हो गया।
- 30 जून, 2024 तक खुदरा जमा कुल ग्राहक जमा का 80.2त्न है।
- विरासती उच्च लागत वाली उधारी 30 जून, 2023 को 16,055 करोड़ रुपये से घटकर 30 जून, 2024 को 10,084 करोड़ रुपये हो गई है।
- बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के दौरान 11 नई शाखाएँ खोलीं और 30 जून, 2024 तक शाखाओं की संख्या 955 तक पहुँच गई।

ऋण और अग्रिम

- 30 जून, 2023 तक रुपये तक के ऋण और अग्रिम (क्रेडिट प्रतिस्थापन सहित)। 30 जून, 2024 तक सालाना आधार पर 22.0त्न बढ़कर 1,71,578 करोड़ रुपये हो जाएगा। 2,09,361 करोड़.
- बैंक ने बताई गई रणनीति के अनुसार बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण को बंद करना जारी रखा है और अब 30 जून, 2024 तक कुल वित्त पोषित परिसंपत्तियों का केवल 1.3% हिस्सा है।
- 30 जून, 2023 को शीर्ष 20 एकल उधारकर्ताओं का एक्सपोजर 30 जून, 2024 को 7.0% से बढ़कर 5.4% हो गया।
- 30 जून, 2023 को ऋण-जमा अनुपात बढ़कर 98.1% हो गया, जो 30 जून, 2024 को 107.3% था।
- 30 जून, 2023 से 30 जून, 2024 के बीच वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात 72.1% था।

संपत्ति की गुणवत्ता

- 30 जून, 2023 को बैंक का सकल एनपीए 30 जून, 2024 को 2.17% से बढ़कर 30 जून, 2024 को 1.90% हो गया, जो 27 बीपीएस की वृद्धि है।
- 30 जून, 2023 को बैंक का शुद्ध एनपीए 30 जून, 2024 को 0.70% से बढ़कर 30 जून, 2024 को 0.59% हो गया, जो साल-दर-साल 11 बीपीएस का सुधार है।
- खुदरा, ग्रामीण और एमएसएमई वित्त का सकल एनपीए 30 जून, 2023 को 1.53% से बढ़कर 30 जून, 2024 को 1.46% हो गया, जो साल-दर-साल 7 बीपीएस का सुधार है।

"मस्ती की पाठशाला" सावन सिंधारा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा सावन सिंधारा कार्यक्रम "मस्ती की पाठशाला" का आयोजन मंगलवार को किया गया। संघ की अध्यक्षा सविता सिंघानिया एवं सचिव वीणा बंसल ने बताया कि सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में आयोजित कार्यक्रम में दौ सौ से अधिक महिलाएँ उपस्थित रहीं। आयोजन में महिलाओं को पुराने स्कूल के दिन को याद दिलाया। पुराने गेम, डांस, पीटी, जुंबा आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी बड़ों ने बचपन की मस्ती फिर से की। सभी महिलाएँ स्कूल ड्रेस की थीम के कपड़े पहन कर आई। कार्यक्रम का संचालन स्नेह कादमावाला, सोनम मित्तल, ज्योति पंसारी, बिंदु अग्रवाल, पदमा तुलस्यान ने किया। आयोजन का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

राजपूताना इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ 30 जुलाई 2024 को खुलेगा

राजपूताना इंडस्ट्रीज लिमिटेड तांबे, एल्यूमीनियम, पीतल और मिश्र धातुओं से बने उत्पाद पेश करके अलौह धातु रीसाइक्लिंग क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरी है, उसने 30 जुलाई, 2024 को प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है। , लक्ष्य रू23.88 करोड़ जुटाने के लिए स्टॉक को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध करना है।

इश्यू का आकार रू10 अंकित मूल्य पर 62,85,000 इक्विटी शेयरों तक है।

इक्विटी शेयरों का आवंटन

- क्यूआईबी एंकर भाग - 16,11,000 इक्विटी शेयरों तक
- योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) - 10,74,000 इक्विटी शेयर तक
- गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) - 9,00,000 से कम इक्विटी शेयर नहीं
- ज़ खुदरा व्यक्तिगत निवेशक (आरआईआई) - 20,10,000 से कम इक्विटी शेयर नहीं
- कर्मचारी आरक्षण - 30,000 इक्विटी शेयरों तक
- शेरा एनर्जी लिमिटेड के शेयरधारकों का आरक्षण - 3,00,000 इक्विटी शेयरों तक
- मार्केट मेकर - 3,60,000 इक्विटी शेयर तक

इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग मुख्य रूप से कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं, ग्रिड सौर ऊर्जा उत्पादन प्रणालियों की खरीद और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर पोर्शन के लिए बोली 29 जुलाई, 2024 को खुलेगी, सब्सक्रिप्शन के लिए इश्यू 30 जुलाई, 2024 को खुलेगा और 01 अगस्त, 2024 को बंद होगा।

इश्यू का लीड मैनेजर होलानी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड है और इश्यू का रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है।

राजपुताना इंडस्ट्रीज लिमिटेड की अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सुश्री शिवानी शेठ ने कहा, "हमें एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपने आगामी आईपीओ की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग रणनीतिक रूप से हमारी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं, ऑफ ग्रिड सौर ऊर्जा को पूरा करने के लिए किया जाएगा। स्थायी बिजली उत्पादन के लिए सिस्टम में निवेश सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

यह आईपीओ राजपूताना इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिए एक रोमांचक नए अध्याय का प्रतीक है। हमें विश्वास है कि यह हमें अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सतत विकास को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएगा। सौर ऊर्जा उत्पादन में हमारे निवेश से न केवल बिजली की लागत कम होगी, बल्कि पर्यावरण को भी लाभ होगा। और यह आईपीओ हितधारकों के बीच हमारी दृश्यता बढ़ाएगा।"

होलानी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और सीईओ श्री अशोक होलानी ने कहा, "राजपूताना इंडस्ट्रीज तांबे, एल्यूमीनियम, पीतल और मिश्र धातुओं में विशेषज्ञता वाले स्क्रैप धातु को प्रीमियम उत्पादों में परिवर्तित करने में उत्कृष्ट है। अलौह धातु रीसाइक्लिंग उद्योग के साथ विकास पथ पर, राजपुताना इंडस्ट्रीज बाजार के अवसरों की तलाश कर रही है और इन-हाउस विनिर्माण क्षमताओं का लाभ उठाकर लगातार विस्तार कर रही है। यह आईपीओ परिचालन दक्षता को बढ़ाएगा और सतत विकास का समर्थन करेगा, इस क्षेत्र में राजपूताना इंडस्ट्रीज के नेतृत्व को मजबूत करेगा।"

अहमदाबाद में लॉन्च हुआ आनंद पंडित और वैशाल शाह की मोस्ट अवेटेड फिल्म का ट्रेलर जबरदस्त मनोरंजन की झलक देता है

अहमदाबाद।

वर्ष 2022 में, जब आनंद पंडित और वैशाल शाह निर्मित फिल्म 'फक्त महिला माते' दर्शकों की उत्साही प्रतिक्रिया के साथ सफल हो गई, तो फिल्म का सीक्वल अपरिहार्य लग रहा था और अब ब्लॉकबस्टर हिट 'फक्त पुरुषो माते' का सीक्वल बनाया जाएगा। इसी साल 23 अगस्त को रिलीज होने जा रही है. 29 जुलाई को जब फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ तो सोशल मीडिया पर इसने तहलका मचा दिया। फिल्म का ट्रेलर, एक पिता के बारे में एक असामान्य कहानी की ओर इशारा करता है, जो अपने पोते की शादी में हस्तक्षेप करने के लिए परलोक से लौटता है, साथ ही प्रशंसकों को सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के एक आश्चर्यजनक कैमियो की झलक भी मिलती है।

यश सोनी, मित्रा गढ़वी, ईशा कंसारा और दर्शन जरीवाला सहित सुपरस्टार कलाकारों को लेकर प्रशंसक उत्साहित हैं। जय बोडस और पार्थ त्रिवेदी द्वारा लिखित और निर्देशित, त्रुटियों की यह कॉमेडी आनंद पंडित और वैशाल शाह का तीसरा गुजराती संयुक्त उत्पादन है। उनकी पिछली फिल्म 'ट्रान एक्का' (2023) भी जबरदस्त हिट रही थी।

आनंद पंडित कहते हैं, 'केवल महिलाओं के लिए' की तरह, इसका सीक्वल भी हल्के-फुल्के अंदाज में प्रासंगिक मुद्दों को संबोधित करता है। लैंगिक समानता और सामाजिक प्रतिबंधों से मुक्त प्रेम के अधिकार का समर्थन करने के लिए पीढ़ीगत पितृसत्ता को अपनाता है। जिस तरह से प्रशंसकों ने ट्रेलर पर प्रतिक्रिया दी है उससे हम खुश हैं। इस फ्रेंचाइजी के साथ उनके भावनात्मक लगाव के स्तर को देखना बहुत अच्छा है और हमें उम्मीद है कि जब फिल्म 23 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी तो हम उनकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।"

वैशाल शाह कहते हैं, "कॉमेडी के साथ महिलाओं की भावनाओं पर आधारित 'ओनली वुमेन' का सीक्वल बनाना बहुत अच्छा है, लेकिन यह फिल्म अपने मूल में एक पारिवारिक मनोरंजन है। हम चाहते हैं कि दर्शक साल की अब तक की सबसे मजेदार पारिवारिक मनोरंजक फिल्म का अनुभव करें। .एक संदेश के साथ हर परिवार एक साथ सिनेमाघरों में इस फिल्म का आनंद ले सकता है।"

शॉपिंग के अनुभव को आसान बनाने के लिए सभी पेमेंट एवं फिनटेक ऑफरिंग्स को साथ लाया 'फ्लिपकार्ट पे'

बेंगलुरु। त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों को बड़ी सहूलियत देते हुए भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने फाइनेंशियल एवं पेमेंट ऑफरिंग्स से जुड़ी अपनी सभी सेवाओं को अपने एप पर 'फ्लिपकार्ट पे' के अंतर्गत एक साथ लाने की घोषणा की है। नए फिनटेक प्लेटफॉर्म को ग्राहकों का जुड़ाव बेहतर करने और उन्हें पेमेंट का सुगम अनुभव प्रदान करने के लक्ष्य के साथ डिजाइन किया गया है। 'फ्लिपकार्ट पे ङ्क पे, सेव एंड अर्न' की टैगलाइन के साथ 'फ्लिपकार्ट पे' से ग्राहकों का अनुभव बेहतर होगा और यह ग्राहकों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बनकर सामने आएगा, जिससे वे सहूलियत के साथ फ्लिपकार्ट की सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे।

2013 में गिफ्ट कार्ड की लॉन्चिंग के साथ फिनटेक सर्विस में कदम रखने के बाद से फ्लिपकार्ट लगातार अपने फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स को विस्तार दे रहा है, जिससे भुगतान के आसान विकल्पों तक पहुंच को सहज बनाया जा सके। फ्लिपकार्ट एक्सिस बैंक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड की लॉन्चिंग के साथ इस सफर को आगे बढ़ाया गया, जिसे आज 40 लाख से ज्यादा लोग प्रयोग कर रहे हैं। अपने आकर्षक रिवार्ड्स एवं सेविंग्स बेनिफिट के कारण यह को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लोगों के पसंदीदा क्रेडिट कार्ड्स में शामिल हो गया है। फाइनेंशियल सर्विसेज के शॉपिंग के संपूर्ण अनुभव को बेहतर करने की प्रतिबद्धता के साथ फ्लिपकार्ट ने फ्लिपकार्ट पे लेटर की शुरुआत की, जिससे ग्राहकों को ईएमआई के माध्यम से भुगतान करने का आसान विकल्प मिलता है।

इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए फ्लिपकार्ट ने अपने पोर्टफोलियो को इंश्योरेंस समेत कई प्रोडक्ट्स तक विस्तार दिया है और ग्राहकों के लिए डिजिटल भुगतान के सफर को आसान बनाने के अपने लक्ष्य को मजबूती दी है। इसी दिशा में हाल ही में फ्लिपकार्ट यूपीआई की शुरुआत की गई और रिचार्ज एवं बिल भुगतान की श्रेणी में विस्तार से फाइनेंशियल सर्विसेज के मामले में फ्लिपकार्ट की स्थिति मजबूत हुई है। इससे लाखों ग्राहकों को भुगतान के लिए सुविधाजनक और सुगम विकल्प मिला है।

'फ्लिपकार्ट पे' के साथ पेमेंट एवं फिनटेक प्रोडक्ट्स के मामले में नया दृष्टिकोण प्रदर्शित करते हुए फ्लिपकार्ट सभी लेनदेन को आसान, तेज एवं ज्यादा सुरक्षित बनाते हुए ग्राहकों के लिए ऑनलाइन शॉपिंग के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है। फ्लिपकार्ट पे प्लेटफॉर्म का उद्देश्य ग्राहकों के लिए शॉपिंग के सफर को समृद्ध बनाना और उन्हें आगामी त्योहारी सीजन से पहले फ्लिपकार्ट ऑफरिंग्स की विस्तृत रेंज का अधिकतम लाभ पाने में सक्षम बनाना है।

रोमांटिक और एंटरटेंमेंट ड्रामा फिल्म "उड़न छू" का पोस्टर लॉन्च

गुजरात। इन दिनों गुजराती फिल्मों का चलन है और नए-नए विषयों पर कई अच्छी फिल्में बन रही हैं, जो दर्शकों को पसंद आ रही हैं। इस लिस्ट में एक और फिल्म जुड़ने जा रही है, जिसका नाम है च्उड़न छूज् । देवेन भोजानी, प्राची शाह पंड्या, आर्जव त्रिवेदी, आरोही पटेल और कई प्रतिभाशाली कलाकार द्वारा अभिनीत यह फिल्म 6 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस रोमांटिक और एंटरटेनमेंट ड्रामा फिल्म का निर्देशन अनीश शाह ने किया है। हाल ही में फिल्म का पोस्टर लॉन्च किया गया है।

नवंबर फिल्म्स और इंदिरा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म का निर्माण राहुल बादल, जय शाह और अनीश शाह ने किया है। "अनूठे प्रयासों की एक अनूठी सफर का अर्थ है उड़न छू" - यह पंक्ति काफी सस्पेंस पैदा करती है और दर्शकों में फिल्म देखने की उत्सुकता भी बढ़ाती है। फिल्म का पोस्टर रिलीज होने के बाद हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि फिल्म में क्या होगा और फिल्म के टीजर और ट्रेलर का भी इंतजार किया जा रहा है। गौरतलब है कि देवेन भोजानी, प्राची शाह पंड्या, आर्जव त्रिवेदी, आरोही पटेल पहली बार साथ आ रहे हैं, ऐसे में फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें हैं।

क्या दुनिया में शत प्रतिशत शांति हो सकती है?

दूसरे दिन की कथा के आरंभ में रामदेव बाबा, द्वारिका के केशवानंद जी की विशेष उपस्थिति रही बापू ने बताया पूरा जगत यह मेरा,यह आपका यह बातों में रत है।। भारतीय मनीषियों ने मेरा तेरा छोड़कर वसुधैव कुटुंब की बात करी।।उपनिषद में सत शब्द का महिमा है। भगवत गीता ने सम पर बल दिया है और रामचरितमानस में सत्य तो है ही सम भी है,सब शब्द पर बल दिया है।। यह दो पंक्तियों में तुलसी जी बार-बार सब शब्दों पर बल देते हैं।।

विनोबा जी ने कहा है अहम शब्दों में से हम निकल जाए तो दुनिया में शांति होगी।। तुलसीदास जी यह हम पर काम कर रहे हैं। दुनिया में शत प्रतिशत शांति हो सकती है? राजापीठ,व्यास पीठ, ज्ञानपीठ, कर्म पीठ, प्रेम पीठ,भाव पीठ कोई भी हो संवाद जरूरी है।।

यह संस्था के विचार सूत्रों में भारतीय दर्शन प्रबल है कोई स्वीकार करें ना करें! वेदों और मानस में सब ऑलरेडी है। इसका आनंद है। जगत बनता है तब रजोगुण की जरूरत पड़ती है। रजोगुण है वहां कुछ न कुछ अशांति होती है। शत प्रतिशत शांति नहीं हो सकती। सत्वगुन पालन कर्ता है,तमो गुण विलय करता है।। इसलिए 33त्न मिलाकर 99त्न शांति हो सकती है।। यदि 33त्न व्यक्ति के विचार सदविचार हो जाए,वाणी सदवाणी हो जाए और बर्तन सद्वतर्न में परिवर्तित हो जाए तब 99त्न शांति मिलती है।। सद्व आचार, सद्व उच्चार और सदाचार ही विश्व में शांति प्रदान कर सकता है। बापू ने कहा कि विचार को भी मैं ब्रह्म कहता हूं। शब्द तो ब्रह्म है ही।।विचार केवल अपने के लिए नहीं सबके लिए हो।। वाणी भी ब्रह्म है।

विनोबा जी कहते हैं एक व्यक्ति अच्छा विचार लेकर 100 कदम चले, स्वागत है। लेकिन सो व्यक्ति एक विचार लेकर 10 कदम चले वह ज्यादा अच्छा है। युनोने कई बार भारत के विरुद्ध में अभिप्राय दिया लेकिन भारत ने कभी छोड़ा नहीं।। बापू ने कहा हमारी बुद्धि की अशुद्धि के तीन कारण है- पहले है भेद बुद्धि।। बापू ने यह भी बताया कि इस संस्था में मानव अधिकार की घोषणा के सूत्रों में सब भारत के विचार है, सत्य यही है, कोई इज्जत दे ना दे! मानव अधिकार बहुत के बहुत से रूषियों के 5000 साल के पहले के विचार आज भी प्रस्तुत है।। जिसके संविधान में भारतीय विचार है वहां सुरक्षा समिति में भारत को प्रवेश नहीं है! दूसरा है बुद्धि का अहंकार-अहम बुद्धि।। तीसरा व्यभिचारिणी बुद्धि जो कोई निर्णय नहीं कर सकती। यह तीनों को ठीक करने के लिए तीन उपाय- यज्ञ दान और तप है यज्ञ भेद बुद्धि का नाश करता है।। वाह-वाह नहीं स्वाहा करना पड़ता है।। दान के द्वारा अहम बुद्धि शुद्ध होती है। दान से अहंकार बढ़ता नहीं दान का मतलब त्याग है।।तपके द्वारा व्यभिचारिणी भटकती बुद्धि स्थिर होती है।

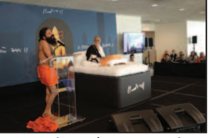

बापू ने कहा कि यह कोई विशेष नहीं कथा ही प्रधान है।इसे इतना बड़ा महत्व नहीं देता।

कथा के क्रम में हनुमान जी की वंदना आगे बढ़ाते हुए बापू ने कहा केवल बंदर नहीं हनुमान सुंदर है। राम मंगल मूर्ति है वैसे हनुमान जी भी मंगल मूर्ति है कोयल मधुर बोले लेकिन मानस में कौवा भी मधुर बोलता है। मनुष्य मधुर बोले वह समझ में आता है रामचरितमानस में एक वानर मधुर वचन बोलता है। सीता जी की वंदना हुई वह सत्य प्रेम और करुणा की वंदना है।। सीता सत्य है,अतिसय प्रिय प्रेम है और करुणा निधान करुणा है।।

बापू ने कहा यह विचारों की पूजा करते हैं राम नाम का महिमा का गायन हुआ राम-सूर्य चंद्र और अग्नि का बीज तत्व है।। प्रणव का पर्याय है। ब्रह्मा विष्णु महेश है। राम नाम की परिक्रमा करके गणेश प्रथम पूज्य बने। नाम की बड़ी महिमा है रूप से व्यक्ति नहीं मिलता नाम से मिलता है।फिर बाबा रामदेव ने आशीर्वचन और योग के बारे में कुछ बताया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)